11 अगस्त 2025
रविवार
केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

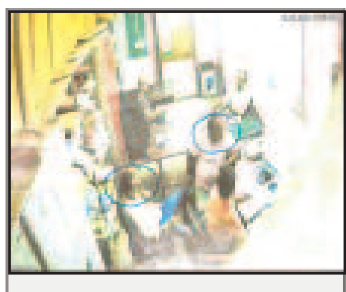
सांसद सहयोगी सहित दो पर कार्रवाई की मांग 2

राहुल की मुश्किलें बढ़ी...ईसी ने दो बार वोट डालने वाले दावे का मांगा दस्तावेज

♦ ड्राफ्ट सूची पर एक सितंबर तक दावे व आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती है, जिसमें पात्र नागरिकों के नाम शामिल करने या अयोग्य नाम हटाने का प्रावधान है

एजेंसी/नई दिल्ली

कर्नाटक में चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी किया और कहा कि नेता विपक्ष सारे दस्तावेज आयोग के सामने पेश करें।

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकार ने रविवार (10 अगस्त, 2025) को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान पर नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि एक महिला ने दो बार मतदान किया।

शीर्ष चुनाव अधिकारी ने कहा कि राहुल गांधी के ये दस्तावेज पूरी जांच करने में मदद करेंगे। राहुल गांधी ने पिछले सप्ताह नई दिल्ली में एक सम्मेलन के दौरान ये दस्तावेज दिखाए थे। नोटिस में मुख्य निर्वाचन अधिकार लिखा। राहुल गांधी ने कहा कि मतदान अधिकारी की ओर से दिए गए रिकॉर्ड के अनुसारशकुन

रानी ने दो बार वोट किया है, लेकिन पूछताछ में शकुन रानी ने कहा कि उन्होंने सिर्फ एक बार वोट किया है, दो बार नहीं। नोटिस में ये भी कहा गया कि सीईओ कार्यालय की ओर से की गई प्रारंभिक जांच से यह भी पता चला है कि राहुल गांधी की ओर से दिखाए गए टिक-मार्क वाला दस्तावेज मतदान अधिकारी की ओर से जारी नहीं किया गया है। नोटिस में मुख्य निर्वाचन अधिकार लिखा, 'राहुल गांधी से निवेदन है कि उनके पास जो दस्तावेज है, उसे आयोग के सामने रखें, जिसके आधार पर फैसला लिया जाए कि शकुन रानी या किसी अन्य ने दो बार मतदान किया है और आयोग की ओर से इसकी तह तक जांच की जाएगी। वहीं बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग ने रविवार (10 अगस्त, 2025) को कहा कि एक अगस्त को बिहार की ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद से अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए संपर्क नहीं किया है।

दो वोटर लिस्ट में नाम होने पर बिहार के डिप्टी सीएम को चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है। उन पर दो जगहों की वोटर लिस्ट में नाम होने का आरोप है। 14 अगस्त तक जवाब मांगा गया है। निवार्ची पदाधिकारी बांकीपुर ने उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को नोटिस जारी कर पूछा कि आपका दो जगहों पर वोटर लिस्ट में नाम क्यों है, इस संबंध में आप जवाब दें। विजय कुमार सिन्हा को 14 अगस्त तक जवाब देने को कहा गया है। इसे लेकर उन्हें नोटिस जारी किया

गया है। 182-बांकीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-सह-भूमि सुधार उप समाहर्ता, पटना सदर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को नोटिस जारी कर यह पूछा है कि आपका नाम विशेष गहन पुनरीक्षण, 2025 के दौरान प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची में 182-बांकीपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केन्द्र सं0-405, मतदाता सूची क्रम सं0-757, ईपिक नं0-0853341 पर अंकित है। इसके अतिरिक्त 168-लखीसराय विधान सभा क्षेत्र, लखीसराय, ईपिक नं0-3939337 में भी अंकित है। इसके साथ ही विशेष गहन पुनरीक्षण के पूर्व में भी दोनों जगह आपका नाम अंकित पाया गया। इस संबंध में अपना जवाब 14 अगस्त तक दें।

मोदी का ट्रम्प ने भारत को कहा डेड इकोनॉमी, मोदी ने दिया करारा जवाब

विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर भारत अग्रसर : पीएम

♦ बेंगलुरु का नम्मा मेट्रो देश का दूसरा सबसे लंबा मेट्रो नेटवर्क है, जो रोजाना 8 लाख से ज्यादा यात्रियों की यात्रा आसान बनाता है

एजेंसी/बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनका नाम लिए बिना जवाब दिया। मोदी ने बेंगलुरु में कहा- भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती इकोनॉमी है। हम 10 वें नंबर से टॉप 5 में आ गए हैं। जल्द ही टॉप 3 में आएंगे। ये ताकत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म से मिली है। देश की उपलब्धियों का परचम आसमान में लहरा रहा है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाते हुए भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। ट्रम्प ने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय सैनिकों की आतंकियों और पाकिस्तान को घुटने में लाने की क्षमता को पूरी दुनिया ने देखा है। इसकी सफलता के पीछे हमारी टेक्नॉलॉजी और मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें बेंगलुरु के युवाओं का भी बहुत योगदान है। पीएम कर्नाटक के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने बेंगलुरु के केएसआर रेलवे स्टेशन पर 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें बेंगलुरु से बेलगावी, अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और नागपुर (अजनी) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं। पीएम ने बेंगलुरु और राज्य के लिए कई विकास कार्यों का शुभारंभ और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। पीएम ने बेंगलुरु मेट्रो की यलो लाइन का भी उद्घाटन किया।

जो आरवी रोड (रगिगुड्डा) से बोम्मसंद्रा तक जाएगी। यलो मेट्रो लाइन के आने से लाखों लोगों को फायदा होगा। आज ऑरेंज लाइन का भी शिलान्यास किया। इसके शुरू होने के बाद यलो और ऑरेंज मेट्रो लाइन से 25 लाख लोगों को फायदा होगा। बेंगलुरु मेट्रो के लिए इन्फोसिस समेत कई बड़ी कंपनियों ने फंडिंग की। इसके लिए कार्पोरेट सेक्टर को बधाई। 2014 से पहले 74 एयरपोर्ट थे और इनकी संख्या 160 से ज्यादा है। यलो लाइन शुरू होने के बाद बेंगलुरु मेट्रो का कुल नेटवर्क 96 किलोमीटर से ज्यादा हो जाएगा, जिससे लाखों यात्रियों को फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री खुद इस मेट्रो में सफर भी किया।

पहले सिर्फ 3 नेशनल वॉटरवेज थे अब ये संख्या 30 हो चुकी है

पहले सिर्फ 3 नेशनल वॉटरवेज थे अब ये संख्या 30 हो चुकी है। 11 साल पहले 7 एम्स थे, अब 22 एम्स और 700 मेडिकल कॉलेज हैं। 2014 से पहले भारत का टोटल एक्सपोर्ट 468 बिलियन डॉलर था। आज 824 बिलियन डॉलर है। इंडिया ग्लोबल एआई की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर मिशन की स्पीड पकड़ रहा है। जल्द ही मेड इन इंडिया चिप मिलने जा रहा है। भविष्य से जुड़ी टेक्नोलॉजी में भारत आगे बढ़ रहा है। पहले मोबाइल इम्पोर्ट करते थे आज टॉप 5 एक्सपोर्टर बन गए है। 2014 से पहले हमारा इलेक्ट्रॉनिक एक्सपोर्ट 6 बिलियन डॉलर था जो अब 38 बिलियन डॉलर हो गया है। ऑटो मोबाइल एक्सपोर्ट 16 बिलियन डॉलर था जो अब डबल हो चुका है।सही रिफॉर्म्स सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। भारत सरकार ने कानून डिक्रिमिनाइल्ज करने के लिए जन विश्वास बिल पास किया जल्द ही 2.0 भी पास करेंगे। राज्य सरकार को भी ऐसे बिल पास करना चाहिए।यलो मेट्रो लाइन से मेट्रो नेटवर्क 96 किलोमीटर हो जाएगायलो मेट्रो लाइन की लंबाई 19.15 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन हैं। इस प्रोजेक्ट पर करीब 7,160 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इन हाई-स्पीड ट्रेनों से यात्रियों को तेज, आरामदायक और आधुनिक सफर का अनुभव मिलेगा।

हरियाणा में भूकंप, झज्जर केंद्र रहा

झज्जर। हरियाणा के झज्जर में रविवार को शाम 4:10 बजे भूकंप के झटके लगे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र झज्जर का गांव बीड़ सुनार रहा। जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में हलचल हुई।इससे लोगों के घरों में दरारें आ गईं। गांव बीड़ सुनार के यशपाल ने कहा कि मैं जानवरों को पानी दे रहा था, उसी वक्त झटका महसूस हुआ और गार्डरों से तेज आवाज सुनाई दी। भूकंप आने के बाद से घर के दरवाजे ठीक से बंद नहीं हो रहे। घर के गार्डर में एक अंगुली का गैप आ गया।वहीं बुजुर्ग आजाद ने कहा कि जब भूकंप आया तो मैं चारपाई पर बैठा था। मुझे हल्का झटका लगा। पिछली बार जो झटका आया था, वो तेज लगा था। बुजुर्ग राज सिंह ने बताया कि रविवार का भूकंप का झटका हल्का था। पहले वाला काफी तेज था। पहले भूकंप आने पर ट्यूबवेल के पानी का 8-9 फीट तक ऊपर उछाल आता था, जिससे हमें भूकंप का पता चलता था। हालांकि किसी तरह के जानी नुकसान की सूचना नहीं है। प्रदेश में 45 दिन में 7वीं बार भूकंप आया है। 17 जुलाई को भी झज्जर में भूकंप आया था। फरीदाबाद में सुबह 6 बजे भूकंप के झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई। यह हलचल जमीन में पांच किलोमीटर की गहराई में हुई। इसका केंद्र भी झज्जर रहा। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 रही, जिसका असर गुरुग्राम, रोहतक, जींद, रेवाड़ी, सोनीपत रहा है।

रॉबर्ट वाड्रा पर 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

एजेंसी/नई दिल्ली

ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट में आरोप लगाया है कि उन्होंने दो कंपनियों के जरिए 58 करोड़ रुपये की अपराध से कमाई हासिल की। ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग से पांच करोड़ और स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी से 53 करोड़ रुपये आए। ईडी का कहना है कि इस रकम का इस्तेमाल संपत्ति खरीदने, निवेश करने और कंपनियों के कर्ज चुकाने में हुआ। ईडी ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर चार्जशीट में दावा किया है कि उन्होंने 58 करोड़ रुपये की अपराध से कमाई हासिल की। यह रकम दो कंपनियों के जरिए आई। ईडी का कहना है कि इस धन का इस्तेमाल वाड्रा ने संपत्तियां खरीदने, निवेश करने और अपनी कंपनियों के कर्ज चुकाने में किया। ईडी के मुताबिक, आरोपित 58 करोड़ रुपये में से 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के जरिए और 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए आए। दोनों कंपनियां वाड्रा के कारोबारी नेटवर्क से जुड़ी बताई गई हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि यह रकम शेड्यूल अपराध से उत्पन्न हुई थी, यानी उस स्रोत से जो पहले से अपराध घोषित है।

धन के इस्तेमाल पर ईडी का दावा : चार्जशीट में कहा गया है कि वाड्रा ने इस रकम का उपयोग कई तरह से किया। इनमें अचल संपत्ति की खरीद, अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश, कंपनियों को लोन देने और समूह की कंपनियों के बकाया चुकाने जैसी गतिविधियां शामिल हैं। ईडी का कहना है कि ये सभी गतिविधियां कथित तौर पर अवैध कमाई से की गईं, जो मनी लॉन्ड्रिंग के तहत अपराध मानी जाती हैं। जांच के दौरान बैंक लेन-देन, कंपनी रिकॉर्ड और गवाहों के बयान के आधार पर यह वित्तीय प्रवाह ट्रैक किया गया। ईडी ने यह भी बताया कि जिन कंपनियों के जरिए धन आया, उनका संचालन वाड्रा के नजदीकी सहयोगियों के हाथों में था। इन चैनलों का उपयोग रकम को कानूनी स्वरूप देने के लिए किया गया।

बोले आर्मी चीफ... जल्द हो सकता है अगला युद्ध

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान से जल्द ही दोबारा युद्ध होने की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि अगला युद्ध जल्द हो सकता है। हमें उसी के मुताबिक तैयारी करनी होगी और इस बार हमें यह लड़ाई मिलकर लड़नी होगी। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा-ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने हमें फ्री हैंड दिया था। ऑपरेशन में हम चेस खेल रहे थे। हमें नहीं पता था दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। ऐसे ही पाकिस्तान को भी हमारी चाल का नहीं पता था। जनरल द्विवेदी ने कहा कि इसे ग्रे जोन कहा जाता है। इसका मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे हैं। थल सेनाध्यक्ष ने 4 अगस्त को आईआईटी मद्रास में अग्निशोध- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल के उद्घाटन के दौरान यह बात कही थी। इसका वीडियो आज सामने आया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि अप्रैल को हमने उत्तरी कमान का दौरा किया। यहां ऑपरेशन की प्लानिंग की।

भारत दबंग और गतिशील अर्थव्यवस्था : राजनाथ

♦ ट्रंप के टैरिफ वॉर पर राजनाथ सिंह ने दिया करारा जवाब

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से होने वाले आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने को लेकर जारी विवाद के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे दबंग और गतिशील अर्थव्यवस्था करार दिया और कहा कि सबके बॉस तो हम हैं का भाव रखने वाले कुछ देशों को यह रास नहीं आ रहा है। राजनाथ सिंह ने ट्रंप पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि कुछ बॉस भारत की तेज विकास दर से जलते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भारत की तेज प्रगति से खुश नहीं हैं। उन्हें यह पसंद नहीं आ रहा है। सबके बॉस तो हम हैं, तो भारत इतनी तेजी से कैसे बढ़ रहा है।

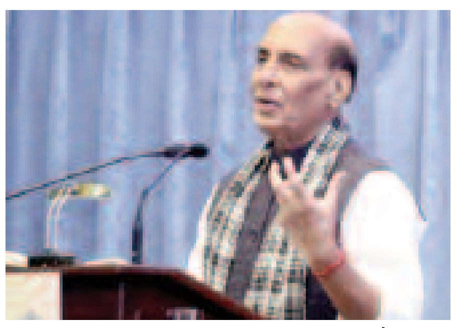

अमेरिका का भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ : अमेरिका ने हाल ही में भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क और अतिरिक्त 25 प्रतिशत पेनल्टी लगाई है, क्योंकि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रख रहा है। यह कदम वॉशिंगटन द्वारा इस आरोप के बाद उठाया गया कि भारत, रूस के युद्ध प्रयासों को वित्तपोषित कर रहा है। इसके साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की अर्थव्यवस्था को डेड बताया और आगे शुल्क बढ़ाने की धमकी भी दी थी।

नोएडा, उत्तर प्रदेश का सबसे महंगा शहर है, दूसरे स्थान पर गाजियाबाद

देश के टॉप-10 महंगे शहरों में शामिल हुआ लखनऊ

एजेंसी/नई दिल्ली

नया सर्किल रेट लागू होने के साथ ही लखनऊ देश के टॉप-10 महंगे शहरों में शामिल हो गया है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश में महंगी जमीनों के मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हो गया है। पुराने रेट में गाजियाबाद, लखनऊ से पीछे था लेकिन नए में वह लखनऊ को पीछे कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया। इस समय नोएडा, उत्तर प्रदेश का सबसे

महंगा शहर है। दूसरे स्थान पर गाजियाबाद और तीसरे पर लखनऊ है। मुंबई देश की नंबर-1 सिटी है। राजधानी लखनऊ में 1 अगस्त 2025 से नई सर्किल दरें लागू हो गई हैं। यहां जमीन, मकान, दुकान या फ्लैट खरीदने वालों के लिए अब संपत्ति पहले के मुकाबले लाखों रुपए महंगी पड़ेगी। जिला प्रशासन ने 10 साल बाद रेट बढ़ाए हैं।

व्यवसायिक इलाकों में 30 प्रतिशत, रिहायशी में 130 प्रतिशत दाम बढ़े : लखनऊ के प्रमुख रिहायशी और व्यवसायिक इलाकों- गौतम पल्ली, गोमती नगर, अंसल, आलमबाग, वृंदावन योजना, महानगर और हजरतगंज में 30 से 130 फीसदी तक की वृद्धि हुई है। मसलन, गोमती नगर जैसे हाई-एंड इलाकों में सर्किल रेट 33,000 से सीधे 77,000 प्रति वर्गमीटर तक जा पहुंचा है। इनमें नोएडा और गाजियाबाद तो पहले ही एनसीआर के असर में हाई रेट पर चल रहे थे, लेकिन अब लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों में भी अच्छी लोकेशन पर प्रॉपर्टी खरीदना आम आदमी की पहुंच से दूर हो गया है। लखनऊ के प्रॉपर्टी विशेषज्ञों का मानना है कि सर्किल रेट में यह बदलाव देर से हुआ लेकिन बेहद जरूरी था। कई इलाके तो मार्केट रेट के आसपास पहुंच चुके थे, जिससे टैक्स चोरी के रास्ते खुलते थे।

मां मुंडेश्वरी अस्पताल परिसर में आयोजित हुआ था सम्मान समारोह, शामिल हुए दर्जनों पत्रकार व सैकड़ो पूर्व सैनिक

सेना की तरह ही चुनौतीभरा है मीडियाकर्मियों का काम : डॉ. पीके पांडेय

- बक्सर में आईईएसएम ने किया मीडिया कर्मियों का सम्मान

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में रविवार को बिहार राज्य इंडियन एक्स सर्विसमेन मूवमेंट (आईईएसएम) की ओर से मीडिया कर्मियों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन मां मुंडेश्वरी अस्पताल परिसर में हुआ, जिसकी अध्यक्षता जिले के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ एवं आईईएसएम के निदेशक डॉ. मेजर पी.के. पांडेय और जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी ने की। मंच संचालन जिला उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट आर.बी. ओझा ने किया।समारोह में लगभग 150 पूर्व सैनिक शामिल हुए, जबकि जिले के कई पत्रकारों ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में डॉ. पीके पांडेय ने मीडिया को देश का

चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि उनका कार्य सेना के समान ही चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा, ह्लमीडिया न सिर्फ सूचना पहुंचाने का काम करता है, बल्कि कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाता है। आज देश की मीडिया राष्ट्रीय स्तर पर अहम भूमिका निभा रही है।ह्व

डॉ. पांडेय ने कहा कि यह आयोजन न केवल पूर्व सैनिकों और मीडिया के बीच आपसी सम्मान और विश्वास को मजबूत करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि चाहे मोर्चा सरहद का हो या खबर का, दोनों ही जगह साहस, निष्ठा और समर्पण की आवश्यकता होती है। डॉ. पांडेय ने कहा कि इस मामले में जिला के मीडियाकर्मी अपनी भूमिका में खरे उतरे है। उन्होंने मीडियाकर्मियों से रचनात्मकता अपनाने तथा समाज को गढ़ने में अपनी महती भूमिका निभाने का आह्वान भी किया।

जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी ने बक्सर की मीडिया की सराहना करते हुए कहा कि आईईएसएम की आवाज को जिले से लेकर देश के कोने-कोने तक पहुंचाने में उनका योगदान सराहनीय है। वहीं जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने कहा कि सीमा पर भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को जनता तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका अमूल्य है। उन्होंने पुनः अपनी मांग दोहराई कि बक्सर शहीद स्मारक में जिले के 16 वीर शहीदों के नाम तैल्य चित्र में अंकित किया जाएं, जो चीन और पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए थे।समारोह में मौजूद सैनिकों ने जोरदार तालियों के साथ मीडिया के जाबाजों का स्वागत किया। पत्रकार विश्वंभर मिश्रा ने देशभक्ति शायरी से कार्यक्रम का माहौल भावुक और प्रेरणादायक बना दिया। अंत में भारत माता की जय, आईईएसएम बक्सर जिंदाबाद और भारत की मीडिया जिंदाबाद के गगनभेदी नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। अंत में सभापति कैप्टन बी.एन. पांडेय ने सभी का धन्यवाद देते हुए समारोह की समाप्ति की घोषणा की। इस अवसर पर कई पत्रकारों को सम्मानित किया गया, जिनमें डॉ. शशांक शेखर, शिव दयाल पांडेय, गुलशन सिंह, रजनीकांत दूबे, चंद्रकांत निराला, मो. मोईन खान, मनीष कुमार चौबे, विश्वंभर मिश्रा, प्रतिमा भारद्वाज, पंकज, अमीषा, शंकर पांडेय, अरविंद तिवारी और अन्य शामिल रहे। वहीं पूर्व सैनिकों में कार्यकारिणी चेयरमैन कैप्टन संजय पाठक, चौगाई प्रखंड अध्यक्ष कैप्टन कन्हैया पंडित, जिला महासचिव कैप्टन निवास सिंह, सचिव नायब सूबेदार हरेंद्र मिश्रा, कोषाध्यक्ष सूबेदार मेजर आर.बी. सिंह, उप कोषाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, उप चेयरमैन बलिराम मिश्रा, कैप्टन आर.सी. पाल, कैप्टन अशोक उपाध्याय, सूबेदार मेजर आई.डी. सिंह, संयोजक सूबेदार रामनाथ सिंह, उप संयोजक भरत मिश्रा, उप संयोजक काशीनाथ उपाध्याय, सूबेदार मेजर शिव मुनि राय, उप तकनीकी अधिकारी धनंजय दूबे, सूबेदार सुदामा प्रसाद, ललन चौबे, सुनील सिंह, चौसा प्रखंड अध्यक्ष हरिवंश सिंह यादव, इटाढ़ी प्रखंड अध्यक्ष हरिहर सिंह, मीडिया प्रभारी तारा बाबू सिंह, गणेश सिंह, सूबेदार शिव मुनि सिंह, नायब सूबेदार एल.बी. राय, अंबिका राय, लाल बिहारी प्रसाद, कमल मिश्रा, किशन लाल, सूबेदार राम इकबाल सिंह, राजपुर प्रखंड अध्यक्ष चंद्रजीत सिंह, नायब सूबेदार धर्मराज त्रिपाठी, राधा मोहन राय, कमलेश्वर सिंह, मोहन मुरारी पांडेय, सूबेदार जंग बहादुर सिंह, पी.एन. राय, नायब सूबेदार बिजेंद्र यादव, नायब सूबेदार शिव शरण सिंह समेत सैकड़ों पूर्व सैनिक मौजूद थे।

एक नजर

हड़ताल की तैयारी में कार्यपालक सहायक बैठक में बनी रणनीति

बक्सर। कार्यपालक सहायक सेवा संघ, जिला इकाई बक्सर की ओर से रविवार को किला मैदान स्थित रामलीला मंच पर एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष दीनानाथ सिंह और संचालन सचिव राजेश कुमार ने किया। बैठक में सरकार द्वारा कार्यपालक सहायकों की मांगों पर विचार न करने पर नाराजगी व्यक्त की गई। निर्णय लिया गया कि यदि राज्य स्तरीय कोर कमिटी हड़ताल की घोषणा करती है तो बक्सर इकाई भी पूर्ण रूप से उसका समर्थन करेगी और सहमति पत्र सौंपेगी। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि नियंत्रित कार्यालय स्तर पर दो बार बैठक की तिथि तय हुई थी, लेकिन कोई निर्णय सामने नहीं आया है। इससे सहायकों में असंतोष व्याप्त है। बैठक में संघ के कोष को मजबूत करने के लिए आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में कोषाध्यक्ष जितेंद्र पासवान, उपाध्यक्ष धनलाल पासवान, राकेश कुमार, अभय कुमार, दिलीप कुमार, संतोष कुमार, जितेंद्र मिश्रा, लाल बाबू, कृष्णा, मनोज पांडेय, अक्षय, मुख्तार आलम, इबरार अंसारी सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

घरेलू उपकरण चालू करते समय करंट लगने से युवक की मौत

बक्सर। राजपुर थाना क्षेत्र के नावागांव में शनिवार की शाम करंट लगने से एक 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हीरालाल के पुत्र धनजी कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, धनजी शनिवार की शाम अपने घर में पंखा चालू करने के लिए प्लग लगा रहा था, तभी अचानक विद्युत प्रवाह की चपेट में आ गया। वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। परिजन आनन-फानन में उसे राजपुर सीएचसी ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय समाजसेवी ब्रह्मा राय ने सरकार से मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग करते हुए कहा कि क्षेत्र में जर्जर बिजली तार और असुरक्षित कनेक्शन लोगों की जान ले रहे हैं, लेकिन विभाग चुप्पी साधे हुए है।

शिक्षा विभाग के कार्यालय में दबंगों के हस्तक्षेप पर प्रशासन सख्त

सांसद सहयोगी सहित दो पर कार्रवाई की मांग

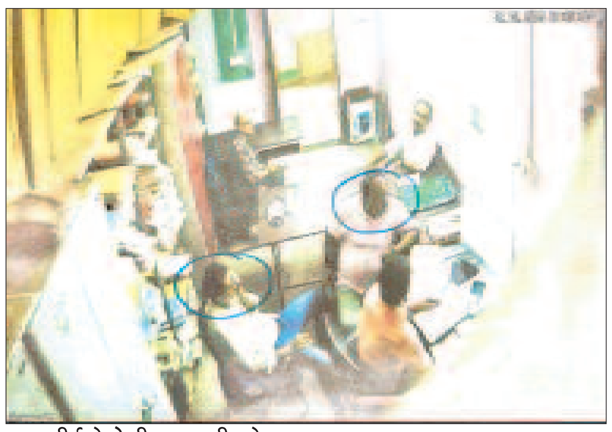

- डीईओ ने डीएम-एसपी को पत्र भेज लगाया फाइलों में अड़ंगा डालने, अधिकारियों पर दबाव बनाने व अपराधी प्रवृत्ति का होने का आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

अक्सर फर्जी शिक्षक बहाली, शिक्षकों के भयादोहन, आर्थिक उगाही आदि के लिए सुर्खियों में रहने वाले बक्सर का शिक्षा विभाग इन दिनों दो दबंगों से परेशान हो गया है।

न सिर्फ विभागीय अधिकारी उक्त दबंगों से परेशान है बल्कि, पिछले लंबे समय से उनकी ही चर्चा विभाग से लेकर शहर के चौक-चौराहों पर हो रही है। यहां काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का आरोप है कि दो बाहरी लोग लगातार दखल देकर माहौल को तनावपूर्ण बना रहे हैं। इनमें से एक स्थानीय सांसद सुधाकर सिंह का अधिकृत सहयोगी भी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) ने इस ह्यअनावश्यक हस्तक्षेपह्व के खिलाफ जिला पदाधिकारी (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को एक विस्तृत पत्र भेजकर तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि दोनों नामजद न केवल कार्यालय में घंटों बैठते हैं, बल्कि बातचीत के बहाने दबाव बनाकर फाइलों की गति धीमी कर देते हैं। डीईओ के इस पत्र से इस बात के प्रमाण मिल गए है कि शिक्षा विभाग में दबंगो के दबाव में कई काम हो रहे है। हालांकि, अब विभागीय अधिकारियों के मुंह खोलने के बाद देखना है कि प्रशासन द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे है।

आरोपी कौन, सांसद का पत्र और विवाद की जड़

डीईओ के पत्र में दो व्यक्तियों के नाम स्पष्ट रूप से दर्ज हैं, जिनमें अजय कुमार सिंह, पिता स्व. बागेश्वरी सिंह, निवासी कठार, थाना कृष्णाब्रह्म तथा अरविंद कुमार सिंह, पिता स्व. आनंद बहादुर सिंह, निवासी धोबी घाट गली नं. 07, थाना बक्सर नगर शामिल है। दूसरे नामजद अरविंद कुमार सिंह के बारे में डीईओ ने कहा कि वे सांसद सुधाकर सिंह के सहयोगी हैं। सांसद ने 28 दिसंबर 2024 को पत्र संख्या बक्सर/138 के माध्यम से डीईओ को औपचारिक रूप से इसकी जानकारी दी थी।

पहले से चला आ रहा है विवाद

यह विवाद अचानक नहीं उठा है। शिक्षा विभाग 6 दिसंबर 2023 को भी इन दोनों के खिलाफ अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, पटना को रिपोर्ट भेज चुका है। रिपोर्ट में आरोप था कि दोनों बार-बार विभागीय कार्य में बाधा डालते हैं और अधिकारियों पर दबाव बनाते हैं। इसके बाद विभाग के निदेशक (प्रशासन-सह-सचिव) ने पटना प्रमंडल के क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक को जांच सौंपी। जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद स्पष्ट निर्देश दिया गया कि अब जिला प्रशासन आवश्यक कानूनी कार्रवाई करे।

सबूत के तौर पर दिए सीसीटीवी फुटेज और केस रिकॉर्ड

ताजा शिकायत में डीईओ ने सबूत के रूप में कार्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज की प्रतियां संलग्न की हैं। साथ ही आरोप लगाया है कि दोनों आरोपित आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और जिले के विभिन्न थानों में इनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं। डीईओ का कहना है कि ये लोग वर्तमान में जमानत पर हैं, इसलिए उनकी जमानत रद्द कराने की भी सिफारिश की गई है। पत्र के साथ इन प्राथमिकी और पर्यवेक्षण प्रतिवेदनों की प्रतियां भी भेजी गई हैं।

आरोप पर बोले अजय और अरविंद सिंह

डीईओ के स्तर से लगाए गए आरोप पर अरविंद सिंह ने अपना पक्ष रखते हुए कि यह किस कानून में लिखा कि कोई व्यक्ति सरकारी कार्यालय में नहीं जा सकता है। डीपीओ शारिक अशरफ के कार्यालय के भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम किया है। उसको लेकर हमलोगों को मानसिक प्रताड़ना करते रहते है। ऐसे ही एक मामले में शारिक अशरफ ने दो दिनों पहले कोर्ट से बेल लिया गया। शारिक अशरफ ने दैनिक प्रभार के दौरान यह निर्णय लिया है। जो नियम विरुद्ध है। उनके खिलाफ जिला लोक शिकायत में चार मामले चल रहे है। हमलोगों ने पूर्व के दो मामलों में शारिक अशरफ परं प्रपत्र क के गठन का आदेश कराया है। इनके मन मुताबिक कार्य किजिए। तो सब ठीक है। बिना एग्रीमेंट के ही इन्होंने भुगतान कर दिया गया है। जिसका परिवाद चल रहा है। इस पर तत्कालीन डीईओ अमरेंद्र पांडेय ने इनसे स्पष्टीकरण भी किया था।

गोपनीय शाखा भी पहले ही दे चुकी है चेतावनी

जिला गोपनीय शाखा इस मामले पर पहले से नजर रख रही है। 28 फरवरी 2025 को विशेष कार्य पदाधिकारी ने बक्सर के एसडीएम और डीएसपी को पत्र भेजकर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। पत्र में स्पष्ट किया गया था कि निदेशक सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार, पटना द्वारा जारी आदेश (पत्रांक संख्या 107, दिनांक 07.02.2025) के तहत कार्रवाई जरूरी है। गोपनीय शाखा का मत था कि इस तरह का हस्तक्षेप कार्यालय की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रहा है और समय रहते ठोस कदम उठाना अनिवार्य है।

प्रशासनिक थ्रिलर में बदला शिक्षा कार्यालय

फिलहाल, जिला शिक्षा कार्यालय का माहौल किसी प्रशासनिक थ्रिलर से कम नहीं है। फाइलें, बैठकें, आदेश और शिकायतें, सब एक ही धुरी पर घूम रही हैं, क्या सांसद के सहयोगी और उनके साथी पर कानून का शिकंजा कस पाएगा प्रशासन? या फिर यह मामला भी किसी मोटी फाइल के ढेर में दबकर रह जाएगा, यही सवाल अब बक्सर के प्रशासनिक गलियारों में गूंज रहा है।

रक्षाबंधन पर मुंडेश्वरी धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं का टेंपो हादसे का शिकार, एक की मौत, छह घायल

केटी न्यूज/बक्सर

रक्षाबंधन की रात राजपुर थाना क्षेत्र में श्रद्धालुओं से भरा एक टेंपो हादसे का शिकार हो गया। कोचस, चौसा मुख्य पथ पर बसही पुल के समीप गीता नगर बस्ती में तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में 12 वर्षीय आर्यन कुमार (पुत्र सत्यदेव पासवान, हंकारपुर गांव) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हंकारपुर गांव से एक ही परिवार और पड़ोस के लोग शनिवार

को कैमूर जिले के प्रसिद्ध मुंडेश्वरी धाम दर्शन के लिए गए थे। देर शाम दर्शन कर लौटते समय करीब 10 बजे हादसा हुआ। टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मौके का फायदा उठाकर ट्रक चालक फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने शोर सुनकर मौके पर पहुंचकर घायलों को सीएचसी राजपुर भेजा। वहां डॉक्टरों ने आर्यन को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल अन्य लोगों को वाराणसी रेफर कर दिया गया। इनमें मृतक की मां नीलम देवी, आलोक कुमार (18), अनुपम कुमार (12), अंकित कुमार (12) और विष्णु साह (14) शामिल हैं। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। थाना अध्यक्ष संजय पासवान ने कहा कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ट्रक चालक की तलाश की जाएगी।

बक्सर में 16 अगस्त से शुरू होगा राजस्व महा-अभियान, 20 सितंबर तक चलेगा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला में राजस्व विभाग द्वारा 16 अगस्त से 20 सितंबर 2025 तक राजस्व महा-अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य डिजिटाइज्ड (ऑनलाइन) जमाबंदी में त्रुटि सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण और छूटी हुई जमाबंदियों को ऑनलाइन करना है।

राजस्व कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंचल स्तर से मौजावार घर-घर जाकर रैयतों को जमाबंदी पंजी की प्रति, आवेदन पत्र और पैम्फलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही माइक्रोप्लान के तहत शिविर आयोजित कर रैयतों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इन शिविरों की तिथियां संबंधित अंचल अधिकारियों द्वारा पहले ही निर्धारित की जा चुकी हैं।

बढ़ी हुई पेंशन दर से लाभुकों में खुशी की लहर

डुमरांव में सीधा प्रसारण देख झूमे पेंशनधारी

केटी न्यूज/डुमरांव

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशनधारियों को बढ़ी हुई दर से जुलाई 2025 की राशि का हस्तांतरण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा रविवार को किया गया। राज्यस्तरीय इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डुमरांव प्रखंड मुख्यालय सहित कई पंचायतों में बड़े उत्साह के साथ देखा गया। पेंशनधारियों ने डिजिटल माध्यम से मुख्यमंत्री का संबोधन सुना और खाते में आई बढ़ी हुई राशि पर अपनी खुशी जाहिर की।

डुमरांव प्रखंड मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने कई लाभुकों से व्यक्तिगत बातचीत की और पूछा कि उन्हें राशि प्राप्त हुई या नहीं। लाभुकों ने खुशी-खुशी बताया कि राशि सीधे उनके बैंक खातों में आ गई है और सरकार के इस कदम से उन्हें आर्थिक राहत मिली है। मौके पर उपस्थित पेंशनधारियों ने कहा कि पेंशन की बढ़ी हुई दर से उनके मासिक खर्चों में सहूलियत होगी और त्योहारों के मौके पर भी थोड़ी अतिरिक्त मदद मिल पाएगी।

प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप पांडेय ने जानकारी दी कि डुमरांव प्रखंड के अलावा मुंगाव, नंदन सहित कई पंचायत भवनों और सामुदायिक स्थलों पर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया था। वहां भी पेंशनधारियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और बढ़ी हुई राशि के लिए सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की मदद करेगी बल्कि डिजिटल माध्यम से सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता को भी मजबूत बनाएगी। मुंगाव पंचायत की बुजुर्ग लाभुक फूलमती देवी ने प्रसन्न होकर कहा कि सरकार ने हमारी पेंशन बढ़ाकर दिल जीत लिया। अब दवा और जरूरी सामान खरीदने में आसानी होगी। इसी तरह नंदन पंचायत के रामचंद्र सिंह ने कहा कि पहले की राशि से गुजारा मुश्किल हो रहा था, लेकिन अब थोड़ी राहत मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान माहौल पूरी तरह उत्साहपूर्ण रहा। पेंशनधारियों के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। डिजिटल प्रसारण के माध्यम से राज्य के कोने-कोने में बैठे लाखों लाभुक मुख्यमंत्री की बात सीधे सुन सके, जिससे योजना के प्रति उनका विश्वास और भी गहरा हुआ।

यह कदम न केवल वृद्ध, विधवा, दिव्यांग और अन्य श्रेणी के पेंशनधारियों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी और प्रशासनिक पारदर्शिता को भी नई दिशा देगा। सरकार का यह प्रयास समाज के कमजोर तबके को सम्मानजनक जीवन जीने में मददगार साबित होगा।

सफाई एनजीओ की मनमानी से त्रस्त हैं नगरवासी

नहीं होता प्रतिदिन कूड़े का उठाव, जाम हैं नगर की सड़कें और गलियां

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर की सफाई व्यवस्था को दुरूस्त रखने के लिये नगर परिषद ने 90 लाख रुपए के प्रतिमाह पर एनजीओ को बहाल कर रखा है। शहर की सफाई व्यवस्था में एनजीओ फिसड्डी साबित हो रहा है। नालियां जाम पड़ी हुई है, शहर के हर गली और चौक-चौराहों पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है। इसको लेकर नगरवासियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है, जो धरना-प्रदर्शन का रूप ले लेगा। नगर की सफाई में वार्ड पार्षद भी कुछ नहीं बोल रहे हैं, इसको लेकर भी जनता में काफी नाराजगी है। नालियां जाम होने के कारण मुख्य सड़क से लेकर संपर्क सड़कों तक पानी ओवरफ्लो होकर रोड पर बहकर जलजमाव की स्थिति बन गई है। नगर के ढेलवानी मोहल्ले की स्थिति काफी खराब हो चुकी है। दरवाजे के पास रखे कूड़े का उठाव नहीं किये जाने से नाली में बहकर चला जाता है, जिससे जाम की स्थिति बनी हुई है। कई स्थानों पर तो कूड़े ढेर लगा हुआ है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि ढेलवानी मोहल्ले में सप्ताह और महीनें में कभी सफाई का वाहन पहुंचता है। डोर टू डोर कूड़े का उठाव तो होता ही नहीं है। यही स्थिति डा. जगनारायण सिंह अस्पताल मोड़ की है। नाली जाम होने से रोड पर पानी बह रहा है। वहां के निवासी जदयू नेता भरत मिश्रा का कहना है कि कईबार नप को सूचना देने के बाद भी नाली को साफ करने के लिये कोई नहीं आया। पुराना थाना, लाला टोली रोड, ढेलवानी मोहल्ला में कूड़े का ढेर लगा हुआ है और नाली जाम होने से पानी रोड पर फैल जलजमाव कर दिया है। इस संबंध में जब स्वच्छता पदाधिकारी राजीव रंजन से बात की गई तो उन्होंने बताया की सोमवार को निरीक्षण कर जो भी गड़बड़ी है उसे दूर कर दिया जाएगा।

भैसहा नदी से डूबे किशोर का शव बरामद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

- नदी में लगातार हो रही डूबने की घटनाओं से दहशत, किशोर की मौत से गांव में मातम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के कुशलपुर गांव में शनिवार को भैसहा नदी में डूबे किशोर का शव रविवार को बरामद हुआ। रविवार सुबह उसका शव मिलने के बाद स्वजनों में जहां क्रंदन चित्कार मच गया, वहीं, गांव में मातम छा गया। मृतक की पहचान कुशलपुर निवासी राजेंद्र गोंड के पुत्र रवि गोंड के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, रवि शनिवार को अपने चार-पांच दोस्तों के साथ गांव के बाहर स्थित भैसहा नदी में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और तेज धारा में बहकर आंखों से ओझल हो गया। साथ नहा रहे अन्य लड़कों ने घबराकर गांव में सूचना दी। खबर मिलते ही कई ग्रामीण तैराक नदी में उतरे, लेकिन काफी तलाश के बाद भी शनिवार को रवि का पता नहीं चल सका। रविवार सुबह ग्रामीणों की मदद से उसका शव बरामद हुआ।

घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां-बाप और स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कुशलपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा कुमार ने कहा कि इस घटना से पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और प्रशासन को तुरंत सरकारी सहायता राशि उपलब्ध करानी चाहिए। वहीं, स्थानीय मुख्य प्रतिनिधि कृष्ण बहादुर ने भी पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद देने की मांग की।

चिंता की बात यह है कि भैसहा नदी में यह हादसा लगातार दूसरी घटना है। दो दिन पहले शुक्रवार को नया भोजपुर का एक युवक भी इसी नदी में डूब गया था। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोग प्रशासन से नदी किनारे सुरक्षा प्रबंध, चेतावनी बोर्ड और निगरानी के इंतजाम करने की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप पांडेय, प्रभारी सीओ कुमार दिनेश सहित अन्य अधिकारी आगे की प्रशासनिक कार्रवाई में जुटे हुए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि भैसहा नदी में पानी की गहराई और तेज धारा को देखते हुए सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। रक्षाबंधन के दिन घटी इस घटना ने त्योहार की खुशी को मातम में बदल दिया और पूरे इलाके में गम का माहौल छोड़ दिया।

दो दिन से लापता नगर परिषद के सफाईकर्मी का कांव नदी में उतराया मिला शव, मचा कोहराम

- मृतक के बच्चों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा
- पहले ही हो चुकी थी पत्नी की मौत, अनाथ हुए बच्चे

केटी न्यूज/डुमरांव

दो दिन से लापता डुमरांव नगर परिषद के सफाईकर्मी व नगर के साफाखाना रोड स्थित अनुसूचित जाति बस्ती निवासी श्याम सुंदर मुसहर (50 वर्ष) की मौत हो चुकी है। उसका शव रविवार को डुमरेजनी मंदिर के पीछे कांव नदी में उतराया मिला। मृतक के बच्चों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बक्सर भेजी। उसकी मौत से बच्चे अनाथ हो गए है। बच्चों का कहना है कि उनकी मां का पहले ही निधन हो गया था, पिता ही नगर परिषद में मजदूरी कर उनका परवरिश करते थे। मिली जानकारी के अनुसार श्यामसुंदर शुक्रवार को दोपहर बाद से ही घर से गायब हो गया था। उसके पुत्र अभी उसकी पड़ताल कर रहे थे, इसी दौरान डुमरेजनी मंदिर के समीप कांव नदी के तट पर उसका चप्पल तथा कपड़ा दिखाई पड़ा। इसकी जानकारी मिलते ही उसके बच्चे तथा बस्ती के अन्य लोग वहां पहुंचे। इसी दौरान किसी की नजर कांव नदी में उतराए एक शव पर पड़ी। शव को देखते ही बच्चे दहाड़े मारकर रोने लगे। जाहिर है उक्त शव श्यामसुंदर का ही था। तत्काल इसकी सूचना डुमरांव पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेजी। मृतक अपने पीछे तीन पुत्रों को छोड़ गया है। उसके पुत्रों बबलू, मोहित तथा टीनू का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। बच्चें अपने पिता के शव से लिपट देर तक रोते रहे। विलखते हुए बच्चे कह रहे थे अब किसके सहारे जिंदगी कटेगी। मृतक के पुत्र मोहित ने बताया कि शुक्रवार को उन्हें नगर परिषद से 2500 रूपए मजदूरी मिली थी। वे 500 रूपए अपने पास रख तथा दो हजार रूपए मुझे दे घर से बाजार के लिए निकले थे, लेकिन लौटकर नहीं आए। जब देर शाम तक उनका कुछ पता नहीं चला तो बच्चों ने इसकी जानकारी बस्तीवालों को दी तथा खोजबीन शुरू की। अभी खोजबीन चल ही रही थी कि उनका शव कांव नदी में मिला। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, प्रभारी सीओ कुमार दिनेश ने बताया कि पीड़ित स्वजनों को नियमानुसार उचित मुआवजा दिया जाएगा।

अचानक उफनाई भैसही नदी, सैकड़ो एकड़ में लगी खड़ी फसल डूबी, कई गांव घिरे

- बोले ग्रामीण शनिवार की रात अचानक आया नदी में पानी
- बेलाउर गांव के मुख्य पथ पर बढ़ा दबाव, कभी भी एनएच 922 से संपर्क हो सकता है भंग

केटी न्यूज/डुमरांव

गंगा व कर्मनाशा का जल स्तर घटने से लोगों को जहां राहत मिली थी, वहीं डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र से गुजरने वाली भैसही नदी में अचानक बाढ़ आने से इस इलाके के किसानों व ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई है।

भैसही नदी में बाढ़ शनिवार की रात ही आया है। रविवार की सुबह जब लोगों की नींद खुली तथा वे नदी के रौद्र रूप तथा अपने गांव व खेत को पानी से घिरा देखे तो भौचक रह गए।

बेलाउर के मनोज कुमार, चिलहरी के विकास सिंह, मुख्तार आलम, पुराना भोजपुर के मुखिया सिंह कुशवाहा आदि ने बताया कि शनिवार की शाम तक नदी का जलस्तर सामान्य था, लेकिन रात में पानी बहुत अधिक बढ़ गया तथा देखते ही देखते सैकड़ो एकड़ में लगी मक्का, धान तथा सब्जियों की फसल डूब गई है।

वहीं, बेलाउर सहित कई गांवों में बाढ़ का खंतरा गंभीर होने लगा है। बेलाउर गांव के मुख्य पथ पर बाढ़ का पानी का दबाव बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जल स्तर काफी तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में मुख्य पथ पर बाढ़ का पानी चढ़ने का खतरा बना हुआ है।

वहीं, पुराना भोजपुर के पूर्व सरपंच भरत चौधरी, ग्रामीण विनोद चौधरी आदि ने बताया कि भोजपुर ताल में भैसही नदी का पानी आने से सैकड़ो एकड़ में लगी सब्जी तथा धान की फसल डूब गई है।

बाढ़ से घिरा प्रताप सागर का बी.एड कॉलेज

भैसही नदी में बाढ़ आने से प्रताप सागर स्थित निजी बी.एड कॉलेज घिर गया है। प्रताप सागर के पश्चिमी छोर से लेकर टोल प्लाजा के समीप तक एनएच 922 के किनारे भैसही नदी का पानी जमा हो गया है। इसके अलावे बेलाउर, चिलहरी, प्रतापसागर, पुराना भोजपुर, धनहा, मझवारी आदि गांवों के किसानों की फसलें डूबी है। जिससे किसानों में फसल के नष्ट होने की चिंता सताने लगी है। जानकारों का कहना है कि भैसही नदी में जब बाढ़ आती है तो यह काफी रौद्र रूप धारण करती है तथा कम समय में ही जान माल का भारी नुकसान होता है, यही कारण है कि लोगों की चिंता बढ़ी है।

मशाल खेल प्रतियोगिता 2024 : बक्सर में प्रतिभाओं ने दिखाई खेल की चमक

केटी न्यूज/बक्सर

खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभा खोज "मशाल" खेल प्रतियोगिता 2024 का जिला स्तरीय आयोजन 10 से 13 अगस्त तक एम.पी. उच्च विद्यालय, बक्सर और किला मैदान, बक्सर में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, वरीय उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, जिला सूचना एवं जन सम्पर्क पदाधिकारी सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह में इंदिरा हाई स्कूल की छात्राओं ने स्वागतगान प्रस्तुत किया, जबकि अन्य छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम से माहौल को जीवंत बना दिया। इसके बाद खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर अतिथियों का अभिवादन किया। जिला पदाधिकारी ने फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ रिबन काटकर और किक मारकर किया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों के विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स और फुटबॉल मुकाबलों में अपना कौशल दिखाया।

पहले दिन घोषित प्रमुख परिणाम

लंबी कूद (अंडर 14 बालक) में आदित्य कुमार, उच्च माध्यमिक विद्यालय, चुन्नी प्रथम लंबी कूद (अंडर 14 बालिका) में अंशु सिंह, मध्य विद्यालय, ओरापपुर, नवानगर प्रथम लंबी कूद (अंडर-16 बालक) में राजन कुमार, म.वि. गंगौली, सिमरी प्रथम लंबी कूद (अंडर-16 बालिका) में नंदिनी कुमारी, उच्च विद्यालय, बराढ़ी, ब्रह्मपुर प्रथम] 60 मीटर दौड़ (अंडर-14 बालक) में मनीष कुमार यादव, सिमरी प्रखंड प्रथम 60 मीटर दौड़ (अंडर-14 बालिका) में प्रियांशु कुमारी, ब्रह्मपुर प्रखंड प्रथम] 100 मीटर दौड़ (अंडर 16 बालक) में सौरभ कुमार, सिमरी

बिजली फीडर की अलग मांग को लेकर पावरग्रिड गेट पर ग्रामीणों ने किया हंगामा

- तीन सूत्री मांग पत्र पावरग्रिड के अधिकारी को सौंपा

केटी न्यूज/डुमरांव

आज दिनांक डुमरांव प्रखंड के सोवां गांव के गणमान्य लोगों, समाजसेवियों और युवाओं की एक बैठक बाबा भुवरनाथ सरोवर के पास आयोजित की गई। बैठक में गांव के गणमान्य लोग, समाजसेवी और युवा मौजूद रहे। बैठक में पावरग्रिड की मनमानी पर लोग काफी आक्रोशित थे। लोगों का कहना था कि सोवां गांव के लोगों ने पावरग्रिड को स्थापित करने के लिये अपनी कीमती जमीन को दिया। उन्हें इस बात की लालच थी की पावरग्रिड को स्थापित हो जाने से सोवां गांव को चौबीसों घंटा बिजली मिलने लगेगा। पावरग्रिड के अधिकारियों ने भी ग्रामीणों से वादा किया की गांव में बिजली संकट से कभी गुजरना नहीं पड़ेगा, लेकिन इसका ठीक उल्टा हो रहा है। गांव को बिजली के लिये तरसना पड़ता है। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी मुमताज अंसारी व संचालन राजकिशोर यादव उर्फ मास्टर ने किया। बैठक में लोक

कल्याणकारी मंच के संयोजक डॉ सुधीर कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक में सभी ने अपनी बातों को रखा, फिर तीन प्रस्ताव को पास करते हुए उस पर काम करने की बात बनी। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि सोवां गांव में पावरग्रिड के लिए बिजली विभाग को इतनी भारी मात्रा में जमीन उपलब्ध कराया गया ताकि गांव को विशेष रूप से सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।उस समय अधिकारियों द्वारा सोवां गांव के लिए अलग फीडर और 24घंटे बिजली देने का आश्वासन भी दिया गया था। लेकिन पावरग्रिड स्थापित हो जाने के बाद सोवां गांव को ठेंगा दिखा दिया गया। अब तो अधिकारियों की बात तो दूर पावरग्रिड के आपरेटर भी मनमानी कर रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी लड़ाई लड़ने के लिये तीन मांगों को प्रस्तावित किया गया। इन तीन मांगों में पहला मांग कहा गया कि सोवां गांव बहुत बड़ा है, इसलिये इसके लिये अलग फीडर की व्यवस्था होनी चाहिए। दूसरे प्रस्ताव में कृषि फीडर में कम से कम 18 घंटा बिजली मिलना चाहिए, जिससे किसानों को सिंचाई करने में कोई परेशानी नहीं हो। वहीं तीसरे प्रस्ताव में कहा गया कि पावरग्रिड के कर्मी अपनी मनमानी करते हुए पार्टी आयोजित कर देर रात तक हंगामा करते रहते हैं। इस दौरान पीने का दौर भी चलता है, जिसपर पूर्ण अंकुश लगना चाहिए। मौके पर गणमान्य लोगों में मुखिया प्रतिनिधि शिवजी पासवान मौजूद रहे, उन्होंने कहा कि पंचायत समिति आलम हुसैन, रेलयात्री कल्याण समिति टुड़ीगंज के कुमार रामावतार, महाशिवरात्रि महोत्सव के अध्यक्ष अजय यादव भी शामिल रहे। मुखिया प्रतिनिधि शिवजी पासवान ने कहा कि सोवां गांव के लिए अलग फीडर कराने के लिए और 24 घंटे विद्युत आपूर्ति के लिए आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी, जिसकी शुरूआत 15 अगस्त के बाद कर दिया जाएगा। मौके पर उपस्थित कुमार रामावतार अधिवक्ता ने कहा कि प्रायः ऐसा देखा जाता है कि जिस गांव में जो चीज स्थापित होता है उस गांव में विशेष सुविधा दी जाती है लेकिन सोवां गांव का पावरग्रिड उदाहरण बनकर रह गया है सोवां गांव से बेहतर विद्युत व्यवस्था बगल के गांवों में देखने को मिलता है जबकि यहां की विद्युत व्यवस्था बद से बदतर हो गई है। मैं बिजली विभाग के आला अधिकारियों से आग्रह करता हूं कि यथाशीघ्र सोवां गांव के लिए अलग फीडर की व्यवस्था करें अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। बैठक में उपस्थित लोगों में बिजेन्द्र कुमार महतो, जयकिशोर यादव, सोनु कुमार, निक्की सिंह, माझील शर्मा, राहुल यादव, मो जब्बार, मंगरु महतो, मनोहर शर्मा, मो जिलानी, मंटु महतो, पंचायत समिति सदस्य आलम हुसैन, रेलयात्री कल्याण समिति टुड़ीगंज के कुमार रामावतार, महाशिवरात्रि महोत्सव के अध्यक्ष अजय यादव भी शामिल थे।

पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार सिंह उर्फ पप्पू यादव ने जिला पदाधिकारी को पत्र लिखकर इस मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की

केसठ नहर पर सड़क निर्माण में अनियमितता, घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड में नहर संख्या 4 पर बजरंग चौक से केसठ भट्ठा पुल तक हो रहे सड़क पुनर्निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। डुमरांव विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार सिंह उर्फ पप्पू यादव ने जिला पदाधिकारी को पत्र लिखकर इस मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है।शिकायत में कहा गया है कि सड़क का निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं हो रहा है। आरोप है कि मानक के अनुसार मोरम का उपयोग करने की जगह स्थानीय मिट्टी का प्रयोग

किया जा रहा है, जिससे सड़क की मजबूती और स्थायित्व पर नकारात्मक असर पड़ेगा। इसके अलावा, पहले से मौजूद अलकतरा पिच की सफाई किए बिना ही उस पर गिट्टी बिछाई जा रही है, जो निर्माण प्रक्रिया के नियमों के खिलाफ है।उन्होंने बताया कि इस तरह की लापरवाही से सड़क की सतह उबड़-खाबड़ हो जाएगी,

जिससे आवागमन में परेशानी होगी और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाएगा। उनका आरोप है कि स्थानीय ठेकेदार अपनी मनमर्जी से कार्य कर रहा है और संबंधित इंजीनियर इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि संभवतः इंजीनियर भी इस भ्रष्टाचार में शामिल हैं।पूर्व प्रत्याशी ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि इस मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क का निर्माण स्वीकृत इस्टीमेट और मानकों के अनुरूप किया जाए, ताकि जनता को एक टिकाऊ और सुरक्षित सड़क मिल सके।उन्होंने कहा कि यह मामला न केवल जनता की सुविधा से जुड़ा है, बल्कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और जनधन के सही उपयोग का भी प्रश्न है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

सर्प दंश से गई मासूम की जान अस्पताल पर लापरवाही का आरोप

बक्सर। औद्योगिक थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव में मामा के घर आए 4 वर्षीय मनप्रीत की सांप के काटने से मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि अस्पताल की लापरवाही और पैसों की मांग ने बच्चे की जिंदगी छीन ली। मनप्रीत, मुखिया मनोज कुमार राम का बेटा था। शनिवार दोपहर, वह अहिरौली गांव में मामा राजेश कुमार के घर पलंग पर पैर लटकाकर खेल रहा था। तभी पलंग के नीचे छिपे जहरीले नाग ने उसके पैर के अंगूठे पर काट लिया। डसते ही उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन आनन-फानन में बच्चे को प्रताप सागर मैथोडिस्ट अस्पताल ले गए। लेकिन मामा राजेश कुमार के मुताबिक, वहां इलाज शुरू करने से पहले 10 हजार रुपये जमा करने को कहा गया। इस प्रक्रिया में करीब आधे घंटे की देरी हो गई। उनका कहना है कि सांप के काटने के मामलों में हर सेकंड कीमती होता है और अगर तुरंत एंटी-स्नेक वेनम इंजेक्शन लगाया जाता, तो शायद बच्चा बच सकता था। राजेश कुमार ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया और कहा कि आपातकालीन मामलों में पैसे की मांग अमानवीय है। घटना के बाद गांव में शोक और गुस्से का माहौल है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब जीवन-मृत्यु का सवाल हो, तब आर्थिक औपचारिकताएं क्यों की जाती हैं।

विधायक ने सलेमपुर, इजरी पीपरा, मणीराय के टोला, पीपरपाती, अचरज लाल के टोला आदि बाढ़ पीड़ित गांवों का दौरा किया

बड़हरा विधायक आरा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

केटी न्युज। आरा

बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह का लगातार बड़हरा विधानसभा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो का दौरा जारी है।

रविवार को बड़हरा विधायक आरा प्रखंड के विभिन्न गाँवो का दौरा किया। विधायक ने सलेमपुर, इजरी पीपरा, मणीराय के टोला, पीपरपाती, अचरज लाल के टोला, केवटिया, बलुआ,बरजा आदि बाढ़ पीड़ित गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होने लोगो की समस्याओं को सुना। बलुआ पुराना बाजार मे ट्रांसफार्मर बदलने की मांग पर तुरंत विद्धुत अधीक्षण अभियंता से बात किए। इसके साथ बाढ़ मे टुटे हुए सड़क का मरम्मत करने एवं अन्य समस्याओं से लोगो ने विधायक को अवगत कराया। विधायक द्वारा सभी समस्याओं का निदान देने की बात कही। बड़हरा विधायक द्वारा मणीराय के टोला, अचरज लाल के टोला एवं केवटिया में कटाव निरोधी कार्यो का निरीक्षण बाढ़ नियंत्रण प्रभारी कार्यपालक अभियंता कन्हैया लाल साव, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता के साथ किए। गंगा रोधी कार्य का निरीक्षण करते हुए विधायक द्वारा निर्देश दिया गया। बड़हरा विधायक ने कहा कि लगातार गंगा नदी का पानी घटने से बाढ का पानी हट रहा है।इस दौरान टुटे हुए सड़क का मरम्मत एवं विजली की समुचित व्यवस्था किया जाएगा। बाढ़ के दौरान हो रही सभी समस्याओं का निदान किया जा रहा है। उन्होने कहा कि मणीराय के टोला पर कटाव रोधी कार्य विभाग द्वारा तेजी से किया गया। किसी भी कटाव को रोकने के लिए विभाग तत्पर है। इसके साथ किसी भी समस्या को जनता मुझसे संपर्क कर सकते है। सभी विकास कार्य क्षेत्र मे हो रहा है। मै जनता की सेवा के लिए विधायक हूँ। साथ में बड़हरा विधानसभा प्रभारी संजय कुमार सिंह, विधानसभा पालक धीरज सिंह, सिन्हा मंडल संयोजक संजीव कुमार सिंह, सुगानी पांडेय, उमा पांडेय, प्रमोद तिवारी, झखड़ तिवारी, बगेदर तिवारी, ललन सिंह,पप्पु सहि,विवेक सिंह, माझील कुमार, अनील सिंह, सोहरा पंचायत मुखिया राजेश सिंह आदि कार्यकर्ता और जनता शामिल थे।

एक नजर

सड़क हादसे में सहायक कार्यपालक की मौत, सचिवालय सहायक जख्मी

आरा। जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के जमुआं मोड़ के समीप शनिवार की मध्य रात्रि में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार सहायक कार्यपालक की मौत हो गई। ईलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उनके बाइक पर पीछे बैठे उनके दोस्त सह सचिवालय सहायक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही वार्ड नंबर 3 निवासी लल्लू यादव के 31 वर्षीय पुत्र जितेंद्र कुमार हैं। वह पंचायती राज विभाग में सहायक कार्यपालक के पद पर थे एवं वर्तमान में जगदीशपुर प्रखंड के बसौना गांव में कार्यरत थे।जबकि जख्मी उनके दोस्त उसी थाना क्षेत्र के बनाही वार्ड नंबर 2 निवासी वृंदावन सिंह के 28 वर्षीय पुत्र अमर कांत सिंह है। वह पटना के सचिवालय में सचिवालय सहायक के रूप में कार्यरत थे। इधर जख्मी अमर कांत सिंह के भाई रवि यादव ने बताया कि दोनों शनिवार की शाम रक्षाबंधन को लेकर बाइक से बिहिया बाजार निकले थे।

गली के विवाद को लेकर बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में थोड़ा दम

- **पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम**
- **शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में रविवार की सुबह घटी घटना**

केटी न्युज। आरा

आरा। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में रविवार की सुबह गली की विवाद को लेकर पीट-पीटकर एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वही परिजन द्वारा गली के विवाद को लेकर पट्टीदार पर ही पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। घटना को लेकर गांव में आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। उधर घटना की सूचना मिलते ही शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। जानकारी के अनुसार मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव वार्ड नंबर 5 निवासी स्व.शिव गोविंद तिवारी के 70 वर्षीय पुत्र ललन तिवारी हैं एवं वह किसान थे। इधर , मृतक के छोटे बेटे विष्णु शंकर तिवारी ने बताया कि उनके छोटे

चाचा के परिवार से गली को लेकर तीन माह से विवाद चल रहा है। उनके द्वारा गली में ईट रखा गया है और कचरा भी फेंक दिया गया है। रविवार की सुबह जब वे लोग गाली की सफाई करने के लिए जा रहे थे तो उन्हें गली से ईट और कचरा हटाने के लिए कहा। लेकिन उन लोगों ने नहीं हटाया। जिसके बाद वे लोग बाहर चले गए। इसी बीच उनके पिता गली में टहलने के लिए गए। तभी उनके छोटे चाचा के परिवार वालो द्वारा ईट-पत्थर से मारकर उन्हें जख्मी कर दिया गया। सूचना पाकर वे लोग वहां आए और उन्हें इलाज के लिए शाहपुर अस्पताल ले गए. जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल राह पर कर दिया गया। जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया सूचना पाकर शाहपुर थाना पुलिस आरा सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। वहीं दूसरी तरफ मृतक के छोटे बेटे विष्णु शंकर तिवारी ने अपने छोटे चाचा की पत्नी एवं उनके परिवार वालों पर गली के विवाद को लेकर अपने पिता की ईट-पत्थर से मारकर हत्या करने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाई व एक बहन में तीसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी शैल कुमारी देवी व दो पुत्र विश्वामित्र तिवारी एवं विष्णु शंकर तिवारी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी शैल कुमारी देवी हम परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

डुमरांव लाइन नहर पर सड़क हादसा, युवक की दर्दनाक मौत

बिक्रमगंज । शनिवार की देर रात करीब 11:30 बजे बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के डुमरांव लाइन नहर पर धारुपुर ललकी पुल के समीप सूर्य मंदिर के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई । हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया । मृतक की पहचान बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 21 धारुपुर निवासी संतोष साह के 22 वर्षीय पुत्र गौतम साह के रूप में हुई है । सूत्रों के मुताबिक हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल गौतम साह को परिजन प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे,लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया । पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक के परिजन शव को लेकर शनिवार रात करीब 1:30 बजे थाना पहुंचे,जहां पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया । थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है । खबर लिखे जाने तक इस संबंध में कोई लिखित शिकायत थाने में दर्ज नहीं कराई गई थी ।

आरा में 49 करोड़ की स्वास्थ्य योजनाओं का शुभारंभ

सरकारी अस्पताल में इलाज कराने की अपील, 100 बेड का मदर चाइल्ड हॉस्पिटल की शुरूआत

केटी न्युज। आरा

बिहार चिकित्सा सेवाएं और आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड की ओर से रविवार को कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का शुभारंभ हुआ। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आरा सदर अस्पताल परिसर में 21.79 करोड़ की लागत से नवनिर्मित 100 शैय्या मातृ शिशु अस्पताल, 257.4 लाख से नवनिर्मित 6 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (प्रीझफैब), 116 लाख से नवनिर्मित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य का उद्घाटन और 23.75 करोड़ की लागत से 50 शैय्या वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक(सीसीबी) का शिलान्यास और उद्घाटन किया।इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी, संस्थान के चिकित्सक और अन्य लोग मौजूद रहे। आगमन पर मंत्री मंगल पांडेय का भव्य स्वागत किया गया। 6 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का उद्घाटन किया है। यह पूरी योजना लगभग पौने 26 करोड़ की योजना है। आज सदर अस्पताल परिसर में 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक शिलान्यास किया है। यह हॉस्पिटल 23 करोड़ 75 लाख की लागत से बनेगा।

किसी तीसरे के कहने पर निजी अस्पतालों में ना जाए

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कार्यक्रम के दौरान कहा एक बार फिर से 8 नए अस्पतालों का उद्घाटन किया है। जिसमें एक 100 बेड का मदर चाइल्ड हॉस्पिटल है । इसके अतिरिक्त शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है।

मंगल पांडे ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के विकास की रफ्तार को तेज करना है। गांव, पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय और राज्य के राजधानी तक लगातार राज्य सरकार की तरफ से विकास का कार्य किया जा रहा है। आज मुझे खुशी है की इतनी योजनाओं का उद्घाटन करके भोजपुर जिला के लोगों को मैंने नई स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की है। मैं बिहार के लोगों से हमेशा बोलता हूं कि आप बिहार के अस्पतालों में आकर इलाज कराए। किसी तीसरे के कहने पर निजी अस्पतालों में ना जाए। हमारे अस्पतालों में सभी हाइटेक सुविधा उपलब्ध है।

कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष के नेतृत्व में मंत्री मंगल पांडे का हुआ भव्य स्वागत

केटी न्युज। रोहतास

पटना से सासाराम जाने के क्रम में बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मोहनी पंचायत बॉर्डर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे सहित विधान पार्षद जीवन कुमार और तरारी विधायक विशाल प्रशांत का भाजपा कार्यकताओं और आमजनों द्वारा फूल माला पहना कर अंगवस्त्र से भव्य स्वागत किया गया। अवसर पर मंत्री के अभिनंदन में नारे लगाते हुए भाजपा कार्यकताओं ने भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन को काराकाट विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी के रूप में टिकट देने की मांग किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने कार्यकताओं का अभिवादन करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। अवसर उन्होंने एनडीए कार्यकताओं सहित आमजन को बताया कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास की नई उड़ान पर जा रहा है। जिसका लोहा पूरा विश्व मान रहा है। जबकि बिहार में होने वाली विधानसभा चुनाव से पूर्व महागठबंधन कार्यकर्ता साजिश रच एनडीए गठबंधन को बादाम करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। जिनकी चाल को बिहार की जनता अच्छी तरह से जान चुकी है। साथ ही बताया कि डबल इंजन की एनडीए गठबंध सरकार आज बिहार विकास की नई गाथा लिखने ओर अग्रसर है। जो महागठबंधन को चुभ रही है। मौके पर उपस्थित सैकड़ों लोगों ने भी पुनः एक बार मंत्री मंगल पांडे से काराकाट विधानसभा में भाजपा पार्टी से नई चेहरे के रूप में काराकाट भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी के रूप में काराकाट विधानसभा चुनावी मैदान में उतारने की मांग किया। दूसरी तरफ डॉ. मनीष ने बिहार सरकार मंत्री मंगल पाण्डेय का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में सरकारी अस्पताल सुविधाओं से लैस है। जहां मरीजों को किसी भी ईलाज के अब लिए भटकना नहीं पड़ रहा।

खुशी : किसानों के हित में नए व्यापार मंडल कार्यालय का हुआ उद्घाटन

- **बिचौलिए से दूर होकर किसान ले सकेंगे व्यापार मंडल से योजना लाभ : सिद्धनाथ**

केटी न्युज। रोहतास

बिक्रमगंज (रोहतास) किसानों के हित में नगर परिषद स्थित व्यापार मंडल परिसर में बिक्रमगंज सह संझौली प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नए व्यापार मंडल कार्यालय का उद्घाटन हुआ। जिसका उद्घाटन व्यापार मंडल अध्यक्ष सिद्धनाथ उर्फ जवाहर सिंह ने वीडियो कॉल के जरिए कार्यकारी अध्यक्ष ललन चौरसिया से फीता कटवा के कराया।

मौके पर दोनों प्रखंड क्षेत्र से आए पैक्स अध्यक्ष, किसान, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी सहित व्यापार क्षेत्र से जुड़े लोगों ने इस सराहनीय कार्य के प्रति खुशी व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने उपस्थित सैकड़ों किसानों को बताया कि नए कार्यालय के माध्यम से बिक्रमगंज और संझौली प्रखंड क्षेत्र के पंचायत फैक्स क्षेत्र से जुड़े किसान अब ऑनलाइन के माध्यम से भी अपने धान के बिक्री कर सकेंगे। साथ ही किसानों के फैक्स अध्यक्षों से जुड़ी समस्याओं का समाधान नए कार्यालय के जरिए कराया जाएगा। व्यापार मंडलों से किसानों को गोदाम निर्माण और अनाज भंडारण की मिलने वाली सुविधा का भी ख्याल रखा जायेगा। ताकि किसान अपनी उपज को सुरक्षित रख बिचौलियों से बचकर सरकारी खरीद केंद्रों पर अपनी फसल उचित मूल्य पर बेच सकते हैं। इसके अलावा व्यापार मंडल के माध्यम से मिलने वाली सरकारी सहायता और ऋण की सुविधा से भी उन्हें अवगत कराया जायेगा। जिससे प्रखंड क्षेत्र के सभी किसानों के आय में बढ़ोतरी के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो सकेगी। दूसरी तरफ किसानों के लाभ हित में बात करते हुए व्यापार मंडल कार्यकारी अध्यक्ष ललन चौरसिया ने कहा कि गोदामों की सुविधा को सरकार पैक्सों और व्यापार मंडलों में गोदामों का निर्माण करवा रही है। जिससे किसान अपनी उपज को सुरक्षित रूप से जमा कर सकते हैं। वही बिक्रमगंज और संझौली प्रखंड क्षेत्र के किसान सरकारी खरीद में अपनी भागीदारी निभाते हुए व्यापार मंडल और पैक्सों पर अपनी फसल बेच कर उचित मूल्य प्राप्त कर सरकार के समर्थन मूल्य का लाभ ले सकते है। जबकि व्यापार मंडल किसानों को संगठित करने में अहम भूमिका निभाता हैं। जिससे किसान अपनी आय और लाभप्रदता बढ़ा सकते हैं। अवसर पर ओम प्रकाश सिंह, रामबचन चौधरी, हरेंद्र हरियाली,संजय सिंह,विवेक कुशवाहा,प्राचार्य सुरेंद्र सिंह,सुनील सिंह, दिनेश सिंह, अभिषेक सिंह, बिरेंद्र सिंह व किसान और पैक्स अध्यक्ष सहित सैकड़ों जनप्रतिनिधि उपस्थित थें।

एक नजर

जमोढ़ी मोड़ पर स्कॉर्पियो-बाइक में टक्कर लक्ष्मी नारायण सिंह गंभीर रूप से घायल

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज-डुमरांव एनएच-120 पर थाना क्षेत्र अंतर्गत जमोढ़ी मोड़ के पास शनिवार की देर रात लगभग 11:26 बजे स्कॉर्पियो और बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर में संझौली थाना क्षेत्र के खैरा भूतहा निवासी लक्ष्मी नारायण सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए । घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई । आसपास के लोग व परिजन तत्काल जख्मी को बिक्रमगंज अनुमंडलीय अस्पताल ले गए,जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया । थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि हादसे में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है । उन्होंने कहा कि इस मामले में अभी तक कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है,आवेदन मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

मशरूम की सब्जी खाने से दंपती समेत आधा दर्जन की तबीयत बिगड़ी

आरा। जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के चरपोखरी गांव में रविवार की सुबह मशरूम की सब्जी खाने से एक ही परिवार के दंपती समेत पांच लोगों की तबीयत काफी खराब हो गई। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए चरपोखरी पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार बीमार लोगों में चरपोखरी थाना क्षेत्र के चरपोखरी गांव निवासी 40 वर्षीय हरे कृष्णा साह,उनकी 35 वषीर्या पत्नी मीरा देवी, 10 वषीर्या पुत्री राधा कुमारी व तीन पुत्र 18 वषीर्या नवोदय कुमार,16 वर्षीय मिथिलेश कुमार एवं 14 वर्षीय गुड्डू कुमार शामिल है। इधर मीरा देवी ने बताया कि शनिवार को उनके पति द्वारा बाजार से मशरूम लाया गया था। रविवार की सुबह उन्होंने मशरूम की सब्जी बनाई। इसके बाद सभी लोगों ने उसे खाया। खाने के कुछ देर बाद सभी लोगों को पेट में दर्द व उल्टी होने लगा और देखते ही देखते सभी लोगों की तबीयत काफी बिगड़ गई।जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए चरपोखरी पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया।

दो दिन पूर्व बाढ़ के पानी में डूबे अधेड़ का शव तीसरे दिन बरामद

आरा। जिले के सिन्हा थाना क्षेत्र के बालूचक गांव में दो दिन पूर्व बाढ़ के पानी में डूबे अधेड़ का शव तीसरे दिन बरामद हुआ है। उनका शव बालूचक गांव से रविवार की सुबह बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार मृतक सिन्हा थाना क्षेत्र के बालूचक गांव निवासी स्व.लक्ष्मण माली के 56 वर्षीय पुत्र राजेंद्र माली हैं एवं वह मजदूर थे। इधर, मृतक के पड़ोसी मुन्ना यादव ने बताया कि गांव में चारों तरफ बाढ़ का पानी आया हुआ है। गुरुवार को वह मजदूरी कर वापस घर लौट रहे थे। इस बीच वह बाढ़ के पानी में डूब गए। देर शाम जब घर वापस नहीं लौटे तो परिजनो ने काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। रविवार की सुबह उनका शव गांव से ही बरामद हुआ। जिसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय स्थान को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने मां बाप के इकलौते चिराग थे। उनको छह पुत्र धर्मेंद्र,महेंद्र,जितेंद्र चंदन, उपेंद्र, बुद्धा लाल एवं एक पुत्री सीमा देवी है। मृतक की पत्नी शिव दुलारो देवी की मौत वर्ष 2016 में बीमारी के कारण हो गई थी।

समाज की रक्षा के लिए रक्षा सूत्र बांधकर संकल्पित होना ही सही माने में ये दिवस मनाने का महत्व

बिक्रमगंज : हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई और बहनों का अटूट स्नेह पर्व रक्षाबंधन

केटी न्युज। रोहतास

अटूट स्नेह के रक्षाबंधन पर्व के दिन बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांध उनकी दीघार्यु आयु की ईश्वर से मंगल कामना कर दुआ मांगी। रक्षाबंधन को लेकर शनिवार को रोहतास जिला सहित बिक्रमगंज क्षेत्र में काफी चहल पहल देखी गई। पर्व के अवसर पर लोग विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना करते नजर आए। वही पूजा अर्चना के बाद बहनों ने अपने भाई की आरती उतार कलाई पर राखी बांधा अटूट स्नेह का वचन देते भाइयों को मिठाई खिलाया। उक्त अवसर भाईयों ने भी अपने बहनों

को तरह तरह का उपहार दिया। रक्षाबंधन दिन सभी जगहों पर भाई की कलाई पर बहना का प्यार दमकता नजर आर रहा था। कहीं रेशम की डोर से रिश्ते मजबूत हो रहा था, तो कहीं चांदी के धागे से।

इस पावन पर्व पर बहनों को वचन देते भाइयों में रवि प्रकाश, रोहित कुमार, पवन कुमार, निखिल सिंह, राहुल सिंह, कपिल कुमार, रिशु सिंह, दीबु कुमार, सोनू कुमार सहित अन्य ने बताया कि हम समाज के सभी भाइयों अपने बहनों को एक मां के स्वरूप में अटूट प्यार आजीवन देते रहना चाहिए। उसके हर दुःख सुख का सारथी बन उसके जीवन के मुश्किलों को आसान करना चाहिए। वही बहनों में गुड़िया देवी,

नंदनी देवी, प्रीति कुमारी, सारिका देवी, रंजनी देवी, रितिका देवी, डिंपल कुमारी, निकी कुमारी, निधि कुमारी, सोनी कुमारी, शिवानी कुमारी, अनन्या कुमारी सहित अन्य कहा कि हमारे जीवन में भाई एक पिता तुल्य होते हैं। जिनके मान सम्मान का ख्याल रखना हमारा पहला दायित्व है। क्योंकि इतिहास गवाह भाई अपने बहनों की समाज में लाज और मान सम्मान की रक्षा पिता के रूप में हमेशा करते आ रहें हैं। जिन भारत के अटूट स्नेह को हमें आजीवन कभी नहीं भूलना चाहिए।

राज्य सरकार ने इस सड़क के निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू कर दिया

पटना को मिलने जा रही नई फोरलेन सड़क, लाखों लोगों को होगा फायदा

केटी न्युज। पटना

बिहार की राजधानी पटना के लोगों को जल्द ही एक और चौड़ी और आधुनिक सड़क की सुविधा मिलने वाली है। इस नई सड़क से लाखों लोगों को फायदा होगा जो हर रोज सड़क जाम जैसी परेशानियों से जूझ रहे है. राज्य सरकार ने इस सड़क के निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने पटना के संपतचक बाजार से परसा बाजार के बीच फोरलेन सड़क बनाने की योजना को मंजूरी दी है। पथ निर्माण विभाग ने इसके लिए ठेकेदार चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। करीब 6.415 किलोमीटर लंबी यह सड़क 70 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाएगी। फिलहाल यह मार्ग दो लेन का है, जिससे प्रतिदिन हजारों वाहन चालकों को जाम और संकरी सड़क की वजह से दिक्कत होती है। सड़क चौड़ी होने से लगभग एक लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। यह सड़क संपतचक बाजार को पटनाझमसौढ़ी स्टेट हाईवे-1 और परसा बाजार से पुराने एनएच-83 (पटनाझगया मार्ग) से जोड़ेगी। साथ ही, परसा बाजार के आगे यह मार्ग मीठापुर सिपारा महुली होते हुए पुनपुन के बीच निमार्णाधीन सड़क से भी जुड़ जाएगा। इससे शहर के भीतर और बाहर के कई हिस्सों तक तेज और सुगम संपर्क बनेगा।

बरसात में जलजमाव से राहत

इस नई फोरलेन सड़क के निर्माण के साथ बरसाती पानी की निकासी के लिए आरसीसी बॉक्स कल्वर्ट भी बनाए जाएंगे। वर्तमान में इस मार्ग पर जलनिकासी की व्यवस्था नहीं है, जिससे बरसात के मौसम में जलजमाव हो जाता है और यातायात ठप पड़ जाता है। नए निर्माण से इस समस्या से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है।

घनी आबादी को सीधे लाभ

संपतचक से परसा बाजार तक सड़क के दोनों ओर घनी आबादी बसी हुई है। वर्तमान दो लेन की सड़क पर यातायात का दबाव अधिक होने के कारण स्थानीय लोगों को रोजाना आवागमन में परेशानी होती है। चौड़ी फोरलेन सड़क न केवल ट्रैफिक की समस्या कम करेगी, बल्कि इन इलाकों की कनेक्टिविटी भी बेहतर बनाएगी।

गया और मसौढ़ी जाने का समय होगा कम

नई फोरलेन सड़क बनने के बाद पटना शहर के लोगों को गयाजी और मसौढ़ी की ओर जाने के लिए वैकल्पिक और तेज मार्ग मिलेगा। मीढापुर से सिपाराझमहुली होते हुए पुनपुन तक और वहां से गया व मसौढ़ी पहुंचना पहले से अधिक आसान होगा। दक्षिण बाईपास के आसपास रहने वाले लोगों को भी इससे बड़ी राहत मिलेगी।

बिहार के कैमुर में दर्दनाक सड़क हादसे में देवर-भाभी की मौत

केटी न्युज। कैमुर

बिहार के कैमूर के मोहनियां में रक्षाबंधन के दिन एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। दुर्गावती थाना क्षेत्र के कर्मनाशा चांद नहर पथ पर पिपरी गांव के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से देवर-भाभी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 25 वर्षीय ऋषिकेश राय और 30 वर्षीय लक्ष्मीना देवी के रूप में हुई है।परिवार वालों के अनुसार, रक्षाबंधन के अवसर पर लक्ष्मीना देवी अपने छोटे देवर ऋषिकेश राय के साथ अपने मायके धड़हर गांव राखी बांधने गई थीं। राखी बंधवाने के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान चांद नहर के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे बाइक समेत नहर में गिर गए।स्थानीय लोगों ने जब तक कुछ समझा, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसर गया। जैसे ही दोनों के शव गांव लाए गए, परिजनों में कोहराम मच गया।

सीएम नीतीश कुमार ने जारी की सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि

1 करोड़ 12 लाख खाते में पहुंचे 1247.34 करोड़ रुपये

केटी न्युज। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' भवन में 1 करोड़ 12 लाख से अधिक पेंशनधारियों के खाते में 1247.34 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की. सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को जुलाई माह की 1100 रुपये की पेंशन राशि उनके खाते में डाल दी गई है. कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत जुलाई माह में दी जाने वाली पेंशन की राशि एवं लाभार्थियों की संख्या के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि समाज कल्याण विभाग मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार सभी योग्य सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को इसका लाभ दिलाने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है. पेंशन को और सुलभ बनाने के लिये समाज कल्याण विभाग ने एक टॉल फ्री नम्बर 18003456262 जारी किया है. उन्होंने बताया कि सोमवार से शनिवार तक पेंशन संबंधित किसी प्रकार की सूचना प्राप्त की जा सकती है और शिकायत दर्ज की जा सकती है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा महिलाओं को आज 11 सौ रुपये की दर से जुलाई माह की पेंशन की राशि उनके बैंक खाते में भेज दी गई है. हर माह की 10 तारीख को सभी लाभुकों के खाते में पेंशन की राशि भेजने का मैंने पहले ही निर्देश दिया है. समय पर पेंशन की राशि लाभुकों के खाते में पहुंचने से उन्हें सहूलियत होगी. कोई भी योग्य सामाजिक पेंशनधारी छूटे नहीं इसका विशेष ख्याल रखें, जो भी सामाजिक पेंशनधारी छूटे हुए हैं, उनको भी इसका शीघ्र लाभ दिलाएं. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जून माह से सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा महिलाओं को हर माह मिलने वाली पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये प्रतिमाह कर दी गई है. इस निर्णय के आलोक में 11 जुलाई, 2025 को मेरे जरिए कुल 1 करोड़ 11 लाख लाभुकों को 11 सौ रुपये प्रति लाभुक की दर से जून माह की राशि भी उनके बैंक खाते में सीधे भेज दी गई थी, इस काम में राज्य सरकार के जरिए कुल 1 हजार 2 सौ 27 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई।

सीएम आवास में आयोजित कार्यक्रम

मुख्यमंत्री आवास में इसके लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. जिसमें बिहार सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी भी मौजूद रहे।

राज्य में 06 सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं

बता दें कि राज्य में 06 सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है, जिसमें 03 केंद्र सरकार के जरिए तथा 03 पेंशन योजनाएं राज्य सरकार के जरिए संचालित की जा रही हैं. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अन्तर्गत राष्ट्रीय पेंशन योजनाएं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना हैं, जबकि राज्य पेंशन योजनाओं के अंतर्गत लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, बिहार निःशक्तता पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना है।

नीतीश सरकार ने खेला मास्टर स्ट्रोक

कई राज्यों में चुनाव से पहले लिए गए फैसले के बाद बड़ा लाभ मिला है, जिसमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और झारखंड जैसे राज्य शामिल हैं, जहां महिलाओं को लेकर लिए गए फैसलों का असर दिखा है. फिलहाल सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि बढ़ाकर नीतीश सरकार ने मास्टर स्ट्रोक खेला है।

लाभार्थियों को मिले 1100 रुपए

पिछले महीने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत विधवा महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सहायता राशि बढ़ाने का ऐलान किया था. लाभार्थियों को पहले 400 पेंशन के रूप में दिए जाते थे, लेकिन अब ये राशि 1100 रुपए कर दी गई है।

उत्तराखंड के धराली हादसे में बिहार के 11 मजदूर लापता

5 दिन बाद भी कोई पता नहीं, परिवार में पसरा मातम

केटी न्युज। पटना

पश्चिम चंपारण जिले में उस समय मातम छा गया. जब खबर आई कि उत्तराखंड के धराली में पहाड़ टूटने की भयावह घटना में जिले के 11 मजदूरों की मौत हो गई. भारी बारिश के कारण 5 अगस्त को हुए इस हादसे ने कई परिवारों को उजाड़ दिया. घटना के पांच दिन बाद भी बिहार के 11 लोगों का कोई पता नहीं चला है. सबसे बड़ा नुकसान पश्चिम चंपारण के सरगटीया पंचायत के मगलहिया गांव को हुआ है. जहां से 8 लोग लापता हुए. वहीं घोघा पंचायत से 3 मजदूर लापता बताए जा रहे हैं. लापता होने वालों में एक ही परिवार के तीन सदस्य देवराज शर्मा और उनके दो बेटे अनिल कुमार और सुशील कुमार शामिल हैं. हादसे से पहले मजदूरों ने अपने परिजनों से फोन पर बात की थी और बताया था कि भारी बारिश के चलते उस दिन काम बंद है. वे कमरे में ही आराम कर रहे हैं. करीब एक घंटे बाद सोशल मीडिया के जरिए हादसे की सूचना मिली, लेकिन तब तक किसी को अंदाजा नहीं था कि ये लोग भी इसकी चपेट में आ गए हैं. जब लगातार कॉल करने पर भी मोबाइल बंद मिले. तब परिजनों को अनहोनी का शक हुआ. वहीं स्थानीय एक ठेकेदार ने परिजनों को फोन पर बताया कि प्रशासन ने खोजबीन की, लेकिन मजदूरों के गहरे मलबे में दबे होने से उनका पता नहीं चल सका. इसके बाद परिजनों ने रविवार के दिन प्रतीकात्मक रूप से पुतला बनाकर दाह संस्कार किया और श्राद्ध की तैयारी शुरू कर दी. हालांकि अभी उनके मौत की पुष्टि नहीं हुई है. बता दें कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में लगातार हो रही बारिश से 5 अगस्त को पहाड़ खिसक कर बस्ती पर आ गिरा, जिससे पूरा गांव मलबे में दब गया. इस हादसे में पश्चिम चंपारण जिले के अलग-अलग इलाकों के 11 लोग लापता हो गए है।

लापता 5 लोगों के नाम

- ब्रजेश यादव (27 वर्ष), मगलहिया गांव, सरगटीया पंचायत
- संदीप कुमार (20 वर्ष) मगलहिया गांव
- संदीप कुमार (20 वर्ष) मगलहिया गांव
- अनिल कुमार
- सुशील कुमार

विधायक ने की 20 लाख मुआवजा देने की मांग

धराली हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग रोजी-रोटी के लिए उत्तराखंड गए थे. अब उनके गांवों में सिर्फ खामोशी और मातम का सन्नाटा है. वहीं स्थानीय सिकटा विधायक वीरेंद्र गुप्ता ने गांव में पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दिया है. साथ ही बिहार सरकार और उत्तराखंड सरकार से 20 लाख मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि प्रकृति से सरकार खिलवाड़ कर रही है, जिसके वजह से आए दिन पहाड़ टूटने और हादसे होने की खबर सामने आती रहती है. उन्होंने यह भी मांग की कि प्रकृति से खिलवाड़ नहीं किया जाए।

विधानसभा चुनाव से पहले ईसी का बड़ा एक्शन बिहार के 17 राजनीतिक दलों की मान्यता खत्म

केटी न्युज। पटना

बिहार में अगले 3 महीनों में विधानसभा का चुनाव होना है. ऐसे में इलेक्शन से पहले भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार की 17 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त कर दी है. जहां तक पूरे देश की बात की जाए तो देश भर में 334 राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त कर दी गई है.

किन-किन दलों की मान्यता रद्द?

भारतीय बैकवार्ड पार्टी (पटना), भारतीय सुराज दल (पटना), भारतीय युवा पार्टी डेमोक्रेटिक (पटना), भारतीय जनतंत्र सनातन दल (बक्सर), बिहार जनता पार्टी (सारण), देसी किसान पार्टी (गया), गांधी प्रकाश पार्टी (कैमूर), हिमाद्री जनरक्षक समाजवादी विकास पार्टी जनसेवक (पटना), क्रांतिकारी समाजनादी पार्टी (पटना) शामिल हैं. इसके अलावे लोक आवाज दल (पटना), लोकतांत्रिक समता दल (पटना), नेशनल जनता पार्टी इंडियन (वैशाली), राष्ट्रवादी जन कांग्रेस (पटना), राष्ट्रीय सर्वोदय पार्टी (पटना), सर्वजन कल्याण लोकतांत्रिक पार्टी (पटना) और व्यवसायी किसान अल्पसंख्यक मोर्चा (जमुई) की भी मान्यता रद्द की गई है. देशभर 334 राजनीतिक दल की मान्यता खत्मः निर्वाचन आयोग के द्वारा जो ताजा आंकड़ा दिया गया है, उसमें देश भर में कुल 2854 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से 2520 राजनीतिक दल बचे हैं. निर्वाचन आयोग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल अब जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29(B) और धारा 29(C) के तहत 1968 के प्रावधानों के तहत कोई भी लाभ नहीं ले पाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बहनोई हरिलाल यादव का निधन

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बहनोई और गोपालगंज जिले के कुचायकोट प्रखंड के रामपुर भैंसही गांव निवासी हरिलाल यादव का पटना के रूबन अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। सोमवार को उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई।हरिलाल यादव के निधन की सूचना मिलने पर राष्ट्रीय जनता दल के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता अस्पताल पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव भी उन्हें देखने के लिए अस्पताल आए थे। इस दौरान हरिलाल यादव के पुत्र अमरजीत यादव भी अस्पताल में मौजूद रहे। अपने सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए पहचाने जाने वाले हरिलाल यादव का उनके गांव और आसपास के क्षेत्रों में गहरा सम्मान था।

बिहार के सरकारी स्कूल और अंगीभूत कॉलेजों में पढने वाले छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी खबर

बिहार के स्कूल-कॉलजों में खुलेगी डिजिटल लाइब्रेरी

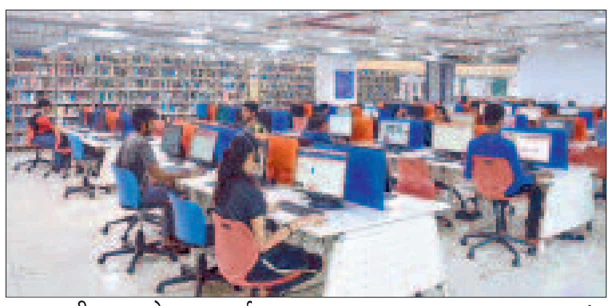

- करीब 95 करोड़ रुपए खर्च करेगी नीतीश सरकार

केटी न्युज। पटना

बिहार के सरकारी स्कूल और अंगीभूत कॉलेजों में पढने वाले छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। बिहार सरकार राज्य के सभी सरकारी स्कूलों और अंगीभूत कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी खोलने जा रही है। पहले चरण में जिन सरकारी स्कूलों और अंगीभूत कॉलेजों में एक्स्ट्रा क्लास उपलब्ध हैं वहां फिलहाल एक-एक डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी।इसके लिए शिक्षा विभाग की तरफ से सभी स्कूलों और कॉलेजों से सूची मांगी गई है। शिक्षा विभाग के अनुसार, हर डिजिटल लाइब्रेरी में 10-10 कंप्यूटर लगाए जाएंगे। इसके अलावे बिजली और इंटरनेट की व्यवस्था भी की जाएगी। हाल ही में सरकार ने इसकी मंजूरी दी थी। राज्य में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के लिए सरकार करीब 95 करोड़ रुपए खर्च करेगी।विभाग के अधिकारियों की मानें तो सरकार चाहती है कि राज्य के सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी सूचन एवं प्रावैधिकी के जरिए अधिक से अधिक जानकारी मिल सके। डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन के लिए शिक्षकों को ट्रेंड किया जाएगा। राज्य शिक्षा, शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा शिक्षकों की इसकी ट्रेनिंग दी जाएगी।

डिजिटल लाइब्रेरी केंद्रों में होंगी ये सुविधाएं

- हर केंद्र पर 10 कंप्यूटर टर्मिनल स्थापित किए जाएंगे।
- हाई-स्पीड इंटरनेट और बिजली की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी।
- सेंटर के लिए न्यूनतम 300 वर्ग फुट का क्षेत्र अनिवार्य होगा।
- इसे पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय, नगर परिषद, सरकारी स्कूल या कॉलेज के अतिरिक्त कमरों में खोला जा सकता है।

सुभाषितम्

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।

-चाणक्य

शांति का नोबल पुरस्कार ट्रंप को नहीं तो फिर किसे?

वर्तमान में दुनिया के अधिकांश देशों में जिस तरह की उथल-पुथल देखने को मिल रही है, उसे लेकर आम इंसान के जेहन में अनेक सवाल उठ खड़े हुए हैं। ऐसे ही सवालों में एक सवाल यह भी है कि आखिरकार दुनिया में जंग के हालात क्योंकर बने हुए हैं? विश्व को जंग में झोंकने का काम आखिर कौन कर रहा है? वो कौन है जो दुनिया को शांति से रहने नहीं देना चाहता है? वाकई ये सवाल गंभीर हैं और इनके उत्तर भी लगभग सभी जानते हैं, लेकिन बतौर सबूत पेश करने को किसी के पास कुछ नहीं होता है, क्योंकि जहां झूठ चलता हो वहां सच को कौन पूछता है। बहरहाल यह देखने वाली बात है, कि दूर देशों की बात छोड़ दीजिए यहां तो पड़ोसी मुल्कों में जंग छिड़ी हुई है। लोग मारे जा रहे हैं लेकिन हथियारों की कमी नहीं होने दी जा रही है। आखिर ऐसा क्यों? हथियार सप्लाई को लेकर भी विकसित देशों में जंग जैसे हालात हैं। इनमें अमेरिका की चौधराहट साफ देखने को मिलती है। किसी को क्या दिया जाए और किससे क्या लिया जाए, यह अमेरिका की आधारभूत नीति में शामिल है। यही वजह है कि युद्ध होने पर अमेरिका यह नहीं देखता कि दोस्त कौन और दुश्मन कौन, वह हथियारों का व्यापारी बन जंग को बाहर से हवा देता नजर आ जाता है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन समेत दुनिया के अनेक देशों के बीच जो जंग चल रही है उसमें कहीं न कहीं अमेरिका संलिप्त नजर आ जाता है। वजह भी साफ है, कि जिस तरह से अमेरिका यूक्रेन की मदद करने के बदले उससे उसके कीमती भंडार चाहता है, तो वहीं गाजा में ट्रंप सिटी बसाने की बात करके यह जतला देता है कि इजराइल उसके इशारे पर जंग में है। वह जब चाहेगा हमास और इजराइल के बीच भी समझौता कराकर शांति का ऐलान कर देगा। सीरिया में भी कमोबेश यही हालात नजर आए। भारत द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को भारत-पाकिस्तान जंग बताने और फिर सीजफायर का दावा करने वाले ट्रंप का मकसद भी कुछ ऐसा ही रहा है। फिलहाल यहां बात हम आर्मेनिया और अजरबैजान शांति समझौते की कर रहे हैं, जिसका पूरा श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप को दिया जा चुका है। यहां बताते चलें कि वर्षों से दक्षिणी कॉकेशस को ईरानी प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। इसके अलावा यहां पर रूस की भी गतिविधियां बराबर चलती रही हैं। पिछले कई दशकों से रूस ने शांति सैनिकों के साथ राजनीतिक दबाव बनाने का काम बखूबी किया है। जबकि ईरान, इस क्षेत्र को अपनी ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मानता चला आया है। अब जबकि व्हाइट हाउस में आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच चले आ रहे करीब 35 सालों के संघर्ष का विराम हो गया तो इन सब बातों का महत्व और भी बढ़ जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनियन ने शांति समझौते पर दस्तखत किए हैं। इतना ही नहीं इन नेताद्वय ने इसी दौरान ट्रंप की तारीफों के पुल भी बांधे और कहा कि शांति करवाने वाले ट्रंप के अलावा आखिर नोबल पुरस्कार का कौन हकदार हो सकता है। यह अलग बात है कि इस समझौते के साथ ही अमेरिका को दक्षिण काकेशस के केंद्र में सीधे दखल देने के साथ ही वहां पैर जमाने के लिए भी एंट्री मिल गई है। वैसे यह क्षेत्र अभी तक रूस, ईरान और चीन के लिए एक रणनीतिक क्षेत्र रहा है। इस प्रकार ट्रंप ने इस शांति समझौते रुपी वार से चीन, रूस और ईरान के सालों से चली आ रही रणनीति को मात दे दिया है। इस तरह कहीं न कहीं अमेरिका पहले से ही इस मामले को उलझाए हुए था, जिसकी पुष्टि अब जाकर हुई है। मतलब साफ है कि शांति से पहले आग लगाने का काम किया और खुद को पुरस्कृत करवाने के लिए अब यह खेल खेला गया। यदि ऐसा नहीं है तो फिर ट्रंप भारत जैसे शांतिप्रिय देश पर टैरिफ बम से वार क्योंकर कर रहा है? क्या कारण है कि जिस पर आतंकवादियों को पालने-पोसने के न सिर्फ आरोप लगते रहे, बल्कि उसकी जमीन पर अनेक तवशुदा आतंकियों को मारा गया अब वो उनका हिमायती बना फिर रहा है? यह देखने और समझने वाली बात है, क्योंकि शांति पुरस्कार वाकई शांति के लिए काम करने वाले को मिलना चाहिए न कि दिखावा करने वाले को। यदि इस पर ट्रंप के कार्य और नीतियां खरी उतरती हों तो जरुर इस दिशा पर विचार किया जाना चाहिए, वर्ना जो दशकों से आतंकवाद का दंश सहते हुए भी शांति के साथ विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

चिंतन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मों ने स्वीकार किया है पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके ह्रास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल क्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता। पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है।

किसी की ज़िन्दगी बचा सकता है अंगदान

-कुमार कृष्णन

अंगदान और प्रत्यारोपण हर वर्ष हजारों लोगों को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। अमीर और गरीब के बीच भारी असमानता, मानव अंगों की मांग और देश में प्रौद्योगिकी की उपलब्धता जैसे कारणों से मानव अंगों का व्यापार जहां कुछ लोगों को धन प्रदान करता है वहीं अन्य लोगों को राहत पहुंचाता है। अंगों का व्यापार निश्चित रूप से निर्धनता से ग्रस्त लोगों के शोषण को बढ़ावा देता है क्योंकि वे तात्कालिक वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए धन के लालच में अंग बेचते हैं। मानव अंगों को एक वस्तु बना देना सामाजिक, नैतिक और शिष्टाचार संबंधी मूल्यों का ह्रास है और कोई भी सभ्य समाज अंगों की जरूरतें पूरी करने के लिए इस व्यापार को एक विकल्प के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अंगों की बिक्री के बारे में एक बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि ऐसा करना मानवाधिकारों संबंधी सार्वभौम घोषणा और स्वयं के संविधान का उल्लंघन है: मानव शरीर और इसके अंगों को व्यापारिक लेन-देन का विषय नहीं बनाया जा सकता। तदनुरूप, अंगों के लिए धन प्राप्त करने या अदा करने पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। हर वर्ष हजारों भारतीय अंग प्रत्यारोपण का इंतजार करते करते मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे लोगों की संख्या और दान किए गए अंगों की संख्या के बीच भारी अंतराल है। भारत किडनी प्रत्यारोपण के

मामले में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है, जहाँ 80% से ज्यादा जीवित किडनी दान से होते हैं। हालाँकि हर साल 2,20,000 लोगों को प्रत्यारोपण की जरूरत होती है, लेकिन 250 केंद्रों पर केवल लगभग 7,500 किडनी प्रत्यारोपण ही हो पाते हैं हृदय प्रत्यारोपण के मामले में भी स्थिति भिन्न नहीं है। भारत में हर वर्ष करीब भारत में हर साल लगभग 50,000 लोगों को हृदय प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है लेकिन, उपयुक्त दाता हृदय की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है, और केवल एक छोटा सा प्रतिशत लोगों को ही प्रत्यारोपण मिल पाता है। इसी तरह भारत में कार्निया की उपलब्धता और आवश्यकता के बीच एक बड़ा अंतर है। हर साल 1,00,000 कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है, लेकिन केवल 30,000 प्रत्यारोपण ही हो पाते हैं। इसका मतलब है कि लगभग 70,000 लोग हर साल कार्निया प्रत्यारोपण के बिना रह जाते हैं। भारत में, कॉर्निया दान की कमी एक बड़ी समस्या है। हर साल लगभग 60,000 कॉर्निया एकत्रित होते हैं, लेकिन 28,000 से भी कम का प्रत्यारोपण हो पाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान और उसके बाद, कॉर्निया की उपलब्धता और भी कम हो गई है। भारत में नेत्र बैंकों की संख्या भी अपर्याप्त है। आवश्यक मानकों के अनुरूप पर्याप्त नेत्र बैंक नहीं हैं। भारत में 12 लाख लोग कार्निया की अपारदर्शिता से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग एक तिहाई लोगों को कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। यह समस्या 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का दूसरा प्रमुख कारण है, और कम उम्र वालों में यह प्राथमिक कारण है। भारत में सालाना 1,00,000 कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। लेकिन, वर्तमान में, केवल 30% मांग ही पूरी हो पाती है। अंगों के काम करना बंद करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जिससे जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ रहा है। हर साल हजारों लोग अंग प्रत्यारोपण का इंतजार करते हैं। इस तात्कालिक आवश्यकता के बावजूद, प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षारत रोगियों और उपलब्ध दाताओं की संख्या के बीच एक बड़ा अंतर बना हुआ है। भारत में अंगदान की दर जनसंख्या के अनुपात में 1 प्रतिशत से भी कम है। वर्तमान में 63,000 से ज्यादा लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट और लगभग 22,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है। इसके बावजूद, जागरूकता बढ़ रही है, खासकर प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में इस मुद्दे पर बात करने के बाद। प्रधानमंत्री ने दुर्घटना पीड़ितों और हृदयाघात से पीड़ित लोगों के लिए समय पर अंगदान की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके जवाब में, सरकार जनभागीदारी बढ़ाकर, हर गाँव और घर में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के अनुसार, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सरकार अंगदान और प्रत्यारोपण को निरंतर सुव्यवस्थित कर रही है ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि शहरों के बीच अंगों की समय पर और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने और सफल अंग प्रत्यारोपण सुनिश्चित करने के लिए हम बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 में आधार आधारित नोट्टो ऑनलाइन प्रतिज्ञा वेबसाइट के शुभारंभ के बाद से, 3.30 लाख से अधिक नागरिकों ने अपने अंगदान का संकल्प लिया है, जो जनभागीदारी का प्रमाण है। प्रतिज्ञा पंजीकरण में यह वृद्धि इस साझा लक्ष्य के प्रति नागरिकों में बढ़ती जागरूकता और समर्पण को दर्शाती है। प्रत्यारोपण पेशेवरों के अटूट समर्पण के कारण, भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने का एक उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल किया, जो किसी एक वर्ष में दर्ज किया गया अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपणों की तुलना में एक महत्वपूर्ण छलांग है। अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से पीछे। दधीचि देहदान समिति परिवार बिहार के संस्थापक महासचिव विमल जैन को इस नेक मुहिम को सफल बनाने के लिए पद्म सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। पद्मश्री डॉ. विमल जैन के अनुसार देश में अंगदान को लेकर जागरूकता अब पहले से ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी रेडियो द्वारा पूरे भारतवासियों को अंगदान करने हेतु जोर दिया है। जब उन्होंने इस मुहिम की शुरूआत की थी तो तो बहुत कम लोग इसके बारे में जानते थे, परंतु अब बड़े पैमाने पर लोगों के बीच यह मिथ्य खत्म हुआ और लोग जागरूक होकर आगे आ रहे है कि मृत्यु पश्चात अंगदान करके किसी और के जीवन को बचाया व उनके जीवन में रौशनी लाई जा सकती है। लोग अंगदान के लिए आगे आये और अपने आसपास के लोगों को भी इसके बारे में जागरूक करें।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

- ललित गर्ग

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, हसंसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।ह चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।ह लेकिन जब वह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा।

आजादी की पहली क्रान्ति के योद्धाओं की दास्तान!

- डॉ. श्रीगोपालनारसन

देश की आजादी का पहला बिगुल सन 1857 की मेरठ क्रान्ति में नही, बल्कि सन 1824 में हरिद्वार के कुंजा बहादुरपुर गांव से बजा था। इसलिए मेरठ से उठी आजादी की सन 1857 की चिंगारी को पहली आजादी की चिंगारी बताना भी पूरी तरह से एक बड़ी भूल है क्योंकि देश में सन 1857 से पहले ही आजादी का बिगुल बज चुका था। उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जिले के ग्राम कुन्जा बहादुरपुर में सन 1824 में ही क्रांति की पहली मशाल जल गई थी। इस गांव में किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजाया था। कुन्जा बहादुरपुर के तत्कालीन राजा विजय सिंह ने इस क्रांति का नेतृत्व किया था। वर्षा न होने पर गांव में किसानों की फसल सूख गई थी। किसान फसल पैदा न होने के कारण सरकार को लगान देने की स्थिती में नही थे। मजबूर होकर उन्होंने ने राजा विजय सिंह से लगान माफ करने की गुहार लगाई। राजा को किसानो की मांग उचित लगी तो उन्होने अंग्रेजो से उस साल का लगान न लेने की प्रार्थना की परन्तु अंग्रेज नही माने और राजा की प्रार्थना को अंग्रेजो ने उन्हे दुत्कारते हुए ठुकरा दी। जिसकारण राजा विजय सिंह अंग्रेजो से नाराज हो गए और उन्होंने अंग्रेजो द्वारा जबरन लगान वसूली का विरोध करने का फैसला किया और उन्होने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर देश की पहली क्रान्ति को जन्म दिया। इसी विरोध के कारण राजा विजय सिंह अंग्रेजो की आंख की किरकिरी बन गए थे। अंग्रेजो ने कुंजा बहादुरपुर को नेस्तनाबूद करने के लिए गांव के कुएं में पीसा हुआ कांच मिला दिया और रात्रि में हमलाकर विद्रोहियों को कुचलने की कौशिश की। राजा विजय सिंह ने भी अंग्रेजो का जमकर मुकाबला किया। उनके सेनापति कल्याण सिंह ने अपनी सैन्य टुकडी के साथ अंग्रेजों पर आक्रमण कर ग्राम कल्हालटी में ज्वालापुर से लाए जा रहे सरकारी खजाने को लूट लिया था। जिससे बोखलाए अंग्रेजो ने गांव के 152 विद्रोहियों को एक ही दिन में रूडकी के पास गांव सुनहरा के वट वृक्ष पर लटकाकर फांसी दे दी थी। जिससे खोफजदा होकर ग्राम सुनहरा, रामपुर व मतलबपुर के लोग अपने घर छोडकर जगंलो में जा छिपे थे। अंग्रेजो के साथ हुए युद्ध में राजा विजय सिंह जहां शहीद हो गए ,वही उनके सेनापति कल्याण सिंह की अंग्रेजो ने हत्या कर उसका शव देहरादून जेल के मुख्यद्वार पर लटका दिया था। इसी कारण कुन्जा बहादुरपुर की गिनती शहीद ग्राम के रूप में होती है और उत्तराखण्ड सरकार ने इसी कारण इस गांव को पर्यटन गांव भी घोषित किया हुआ है। वही सुनहरा का ऐतिहासिक वट वृक्ष भी शहीद स्मारक के रूप में दर्शनीय है और पर्यटन विभाग द्वारा इस स्थल का भी सौन्द्रयकरण किया गया हैं। इस स्मारक पर प्रति वर्ष 10 मई को रूडकी के लोग श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करते है। देश में आजादी की इस पहली लड़ाई के दौरान 27 सितम्बर सन 1930 को रूडकी के राजकीय हाई स्कूल जो अब इन्टर कालेज है,में एक जनसभा हुई थी जिसमें अरूणा आसफ अली आई थी इस सभा की भनक पुलिस को लग गई थी और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था, इस घटना में एक दर्जन लोग घायल हुए थे। जबकि 28 लोगो को पुलिस ने गिरफ्तारकिया था।

आज का राशिफल

मेष सहयोग मिलने से आपका जरूरी काम भी पूरा हो सकता है जिससे मन प्रसन्न रहेगा।	**तुला** आज कारोबार के मामले में अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप बेहद अच्छा काम करेंगे।
वृषभ आज किसी भी काम में ज्यादा उत्साह और जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।	**वृश्चिक** काम आज आसानी से पूरे हो सकते हैं और लाभ कमाने के भी कई अवसर प्राप्त होंगे।
मिथुन आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकता है और समाज में मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।	**धनु** आज किसी वाहन या आवास से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।
कर्क मनचाहा लाभ प्राप्त हो सकता है। सिलसिले में आपको दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है।	**मकर** कामकाज के सिलसिले में नई योजनाएं भी बना सकते हैं, जिसमें मित्रों का सहयोग भी प्राप्त होगा।
सिंह आज धीरे-धीरे आपके सारे काम बनते जाएंगे, जिससे मानसिक तनाव भी काफी हद तक कम होगा।	**कुंभ** आज किसी प्रोजेक्ट में सफलता प्राप्त हो सकती है या योजनाएं भी सफल हो सकती हैं।
कन्या आज कार्यक्षेत्र में कामकाज से जुड़े कई शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं।	**मीन** कार्यक्षेत्र में आप मधुर वाणी और व्यवहार से परिस्थिति को अनुकूल बनाए रख सकते हैं।

विशेष

मुंबई और मालेगांव बम विस्फोट का दोषी कौन?

2008 में महाराष्ट्र के मालेगांव में बम विस्फोट हुआ था। इस मामले की जांच एटीएस महाराष्ट्र ने की थी। इस मामले में सात अभियुक्त बनाए गए थे। उस समय के केंद्रीय गृह सचिव ने इसे भगवा आतंक बताया था। बाद में यह भाजपा की टिकट पर चुनाव जीते और केंद्रीय मंत्री बन गए। मुख्य आरोपी भाजपा की सांसद बन गई। केंद्र में भाजपा की सरकार आई ,इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को दे दी गई। मालेगांव बम कांड के सारे आरोपी बरी हो गए। इसी तरह 2006 में मुंबई में ट्रेन धमाके हुए थे निचली अदालत से सभी आरोपियों को सजा हो गई थी। उसके बाद यह मामला हाईकोर्ट गया। जहां पर सभी आरोपियों को 19 साल बाद हाईकोर्ट ने सबूत के अभाव में बरी कर दिया। सभी आरोपी मुसलमान थे, और जेल में बंद थे। अब इन दोनों घटनाओं के अभियुक्त कौन हैं। भगवान ही जानता है। अब लोग यह कहने लगे हैं। सरकार मेहरबान तो गधा भी पहलवान।

मानसून सत्र में 1 साल बाद एनडीए की बैठक?

मानसून सत्र में संसद हाल में एनडीए के सांसदों की बैठक बुलाई गई। इस बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की भूरि भूरि प्रशंसा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत एवं धन्यवाद डिजाइनर माला से किया गया सभी सांसदों ने भारत माता की जय और हर हर महादेव के नारे लगाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमित शाह को अपना सक्सेसर भी घोषित कर दिया इसे कहते हैं राजनीति, एक तीर से दो शिकार।

कार्टून कोना

राहुल गांधी ने पेश किए चुनावी धांधली के सबूत, चुनाव आयोग ने नकारा

आज का इतिहास

1664 तुर्की और रोम के बीच युद्ध समाप्त हुआ. 1787 तुर्की ने रूस के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1842 ब्रिटेन में बाल श्रमिकों को खान के भीतर काम करने से रोकने के लिए कानून बना. 1874 अमरीकी राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर का जन्म. 1894 राष्ट्रपति वी.वी.गिरी का जन्म. 1904 पोर्टआर्थर के पास जापानी नौ सेना ने रूसी बेड़े को तबाह कर दिया. 1913 बाल्कन युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर हुए. 1914 फ्रांस ने आस्ट्रिया हंगरी के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1945 द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने आत्मसमर्पण की पेशकश की.1962 निरस्त्रीकरण के किसी समझौते की शर्त के रूप में अमरीकी निरीक्षण की योजना को सोवियत संघ ने ठुकरा दिया.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

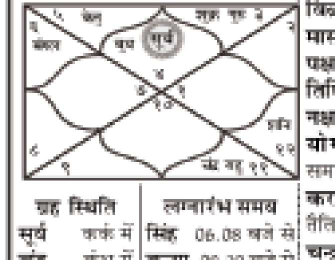

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कर्क में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	कन्या में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	06.08 बजे से
कन्या	08.19 बजे से
तुला	10.30 बजे से
वृश्चिक	12.45 ब.से
धन	15.01 बजे से
मकर	17.06 बजे से
कुंभ	18.52 बजे से
मीन	20.25 बजे से
मेष	21.56 बजे से
वृष	23.36 बजे से
मिथुन	01.34 बजे से
कर्क	03.47 बजे से

2025 वर्ष का 222 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 12.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 13.53 बजे को समाप्त।
योग शोभन 00.02 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 12.11 बजे तदनन्तर तैतिल 23.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 33'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872432
जूलियन दिन 2460897.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** सफर
तारीख 15 **विशेष** गायत्री जपम।

दिन का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से 07.23	बजे तक
चर	07.23	से 08.51	बजे तक
लाभ	08.51	से 10.18	बजे तक
अमृत	10.18	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.14	बजे तक
शुभ	01.14	से 02.41	बजे तक
रोग	02.41	से 04.09	बजे तक
उद्वेग	04.09	से 05.36	बजे तक

रात का चौघड़िया			
शुभ	05.36	से 07.09	बजे तक
अमृत	07.09	से 08.41	बजे तक
चर	08.41	से 10.14	बजे तक
रोग	10.14	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.19	बजे तक
लाभ	01.19	से 02.51	बजे तक
उद्वेग	02.51	से 04.24	बजे तक
शुभ	04.24	से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जमशेदपुर में चलती स्कूटी पर युवक पर चापड़ से हमला

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर में शनिवार दोपहर कपाली थाना क्षेत्र के डुमरी पुल के पास एक चलती स्कूटी पर युवक पर हमला कर दिया गया। स्कूटी सवार 26 वर्षीय फरदीन खान, जो मानगो रोड नंबर एक का निवासी है, अपने दोस्त तौसिफ आलम के साथ साकची से चिकन पहुंचाकर घर लौट रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार

बदमाशों ने फरदीन पर चापड़ से हमला कर दिया। हमले में फरदीन का चेहरा बुरी तरह से जख्मी हो गया। उसकी हालत गंभीर है। उसे पहले ब्रह्मानंद अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे टीएमएच रेफर कर दिया गया।

हमला करने वाले युवक फरदीन का पीछा करते हुए टीएमएच तक भी पहुंच गए, पर वे वहां से भाग निकले। इस हमले से इलाके में दहशत का माहौल है। फरदीन के परिजनों ने गोलमुरी के रहने वाले राजा और फरहान पर हमले का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, दो साल पहले कॉलेज में किसी बात को लेकर फरदीन और राजा के बीच विवाद हुआ था। बाद में इसे सुलझा लिया गया था। इसके बावजूद इस तरह की घटना से परिजन स्तब्ध हैं।

मानगो पुल पर जाम के कारण फरदीन और तौसिफ डोबो पुल होते हुए घर लौट रहे थे। इसी रास्ते में डुमरी पुल के पास उन पर यह हमला किया गया। कपाली थाना प्रभारी धीरंजन कुमार ने मामले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि स्कूटी सवार युवक पर हमला हुआ है। घटना की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

गुमला के डुमरी प्रखंड में सड़क हादसा:बाइक की टक्कर से महिला की मौत, इलाज के लिए जा रही थी

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के डुमरी प्रखंड के भागीटोली गांव में एक सड़क हादसा हुआ। शनिवार को 73 वर्षीय जैनेवीभा टोप्पो की बाइक की टक्कर से मौत हो गई। जैनेवीभा टोप्पो अपने घर से पास ही स्थित नर्स के पास

बुखार का इलाज कराने जा रही थीं। इसी दौरान एक बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

दुर्घटना वाली बाइक को जब्त कर लिया– स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें डुमरी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति ज्वेल टोप्पो ने बताया कि बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मारी थी। इस घटना से गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू कर दी। थानेदार अनुज कुमार ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटना वाली बाइक को जब्त कर लिया है। महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है। उन्होंने ग्रामीणों से यातायात के नियमों का पालन करने और सावधानी से वाहन चलाने की अपील की है।

श्रावणी मेला समापन के बाद बाबा बैद्यनाथ धाम में हटाया गया अरघा, श्रद्धालु कर सकेंगे स्पर्श पूजा

देवघर, एजेंसी। एक माह से चल रहे राजकीय श्रावणी मेला का समापन शनिवार को हुआ। श्रावणी मेला के अंतिम दिन सावन पूर्णिमा पर बाबा मंदिर में कांवरियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। सभी कांवरियों को फुट ओवरब्रिज से मंदिर में प्रवेश दिया गया। मेला के समापन पर शनिवार दोपहर में बाबा बैद्यनाथ की विशेष पूजा की गई। फिर एक माह से लगे अरघा को हटाकर स्पर्श पूजा की शुरुआत की गई। अब श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ की स्पर्श पूजा कर सकेंगे। उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि इस बार मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से जलार्पण कराया गया। उपायुक्त ने बताया कि भादो मेला की तैयारी पूरी हो गई है। भादो मेला में बाबा मंदिर के गर्भ गृह में विशेष रूप से रुद्राभिषेक पूरी तरह से बंद रहेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कतार व्यवस्था के तहत पूजा अर्चना की जाएगी। शीघ्र दर्शनम का शुल्क पूर्व की तरह ही रहेगा।

एक रात में छह चोरी की घटनाओं को दिया अंजाम पुलिस तीन नाबालिग समेत 6 को दबोचा

ओरमांझी, एजेंसी। थाना क्षेत्र के आनंदी गांव में एक ही रात छह दुकान व मकानों में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले छह चोरों को ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना को अंजाम देने में थाना क्षेत्र बुटी बस्ती के अमरेष करमाली 20 वर्ष, मेसरा थाना क्षेत्र के होम्बई के धरमेंद्र कुमार 23 वर्ष, व पियुष करमाली 18 वर्ष के साथ तीन नाबालिक सहित छह लोग शामिल थे।

सात जुलाई की घटना के संबंध में बताया गया कि इन सभी ने एक-एक कर भुनेष्वर साहू की इलेक्ट्रॉनिक दुकान, बालेष्वर साहू की बीज दुकान, दुर्गाचरण महतो की ग्राहक सेवा केंद्र, प्रदीप साहू की राषन दुकान व आनंद कुमार मुंडा की दुकान सहित अन्य दो लोगों के मकान को निशाना बनाया गया था।

ज्यादातर दुकान के ताला तोड़कर दुकान में रखे पैसे व सामना चोरी कर लिए थे। इसके अलावा, न्य थाना क्षेत्र में इन लोगों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। वहीं, एक ही रात में छह स्थानों पर चोरी

की घटना से क्षेत्र के सकते में थे। दुकान व मकान की सुरक्षा को चिंता जताया जा रहा था।

वहीं, सभी की गिरफ्तारी से पुलिस प्रशासन राहत व क्षेत्र के लोगों द्वारा संतोष जताया गया है। गिरफ्तार चोरी के आरोपियों के पास से दुकान से चोरी किया गया डीवीआर भी बरामद किया गया है। इसकी जानाकरी देते हुए थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी ने बताया घटना के दौरान घटना स्थल पर सक्रिय मोबाइल नेटवर्क व गुप्त जानाकरी के आधार पर सभी की गिरफ्तारी हुई है।

सभी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी के साथ एएसआई सतीष कुमार, नितीष कुमार, विनय कुमार, रंजीत कुमार महतो, जयप्रकाष पासवान व आरक्षी सतीष कुमार, उदय कुमार सिंह, रूपेश महतो आदि शामिल थें।

ओरमांझी थाना में गिरफ्तार सभी आरोपियों को जेल भेजने की तैयारी चल रही थी। तभी एक आरोपी की दो बहन रक्षाबंधन में अपने भाई को राखी बांधने थाना पहुंच गई। दोनो बहनें काफी उदास थी। बहनों के आग्रह पर ओरमांझी थाना प्रभारी अनिल कुमारी तिवारी ने राखी बांधने दिया। दोनों बहन की भाई के प्रति स्नेह व उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए राखी बांधने दिया। बहनों ने राखी बांधने के बाद अपने भाई से दोबारा अपराध नहीं करने का वचन भी लिया।

साहिबगंज में उफान पर गंगा नदी, पानी में डूबा दियारा क्षेत्र

साहिबगंज, एजेंसी। जिला का दियारा क्षेत्र पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। जिला के मिर्जाचौकी छोर से लेकर बंगाल के फरक्का बराज तक करीब 83 किमी तक बहने वाली गंगा नदी के किनारे बसने वाला गांव बाढ़ की चपेट में है। जिला में दियारा क्षेत्र के साथ रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया है। लोग धर्मशाला में शरण लेने लगे हैं। शनिवार की सुबह छह बजे तक गंगा का जलस्तर 28.37 मीटर मापा गया जो खतरे के निशान 27.25 मीटर से करीब एक मीटर 12 सेमी ऊपर से बह रही है। इसके साथ प्रति दो घंटे में दो सेमी की रफ्तार से गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। जो चिंता विषय बना हुआ है।

केंद्रीय जल आयोग के साइट इंचार्ज छोटे लाल मालतो ने बताया कि सुबह से प्रति दो घंटा में एक सेमी की रफ्तार से पानी में बढ़ोतरी है। कल यानी रविवार को गंगा पूर्वानुमान के अनुसार 28.50 मीटर तक पहुंचने की उम्मीद है। बाढ़ से चार प्रखंड मिलाकर 34 पंचायत से करीब 50 हजार से अधिक परिवार प्रभावित हो गए है। जिसमें सदर

प्रखंड साहिबगंज के 11 पंचायत, तालझारी के चार पंचायत, राजमहल के छह व उधवा के 14 पंचायत सहित अन्य प्रखंड भी प्रभावित होता है।

बाढ़ पीड़ितों का कहना है कि अभी तक किसी प्रकार का राहत सामग्री नहीं मिल रहा है। सबसे अधिक पशु का चारा का समस्या हो गया है। नाव सीज नहीं होने से बच्चों को घर के छप्पर पर रखना पड़ रहा है। जिला प्रशासन से अपील है कि सुरक्षा प्रदान किया जाए।

सदर प्रखंड के दियारा क्षेत्र रामपुर, टोपरा टोला, शोभनपुर, नाढ़ी दियारा बाढ़ से पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। बाढ़ पीड़ित परिवार घर के छप्पर पर रहकर दिन काट रहे है। कुछ लोग मचान पर खाना पीना बना रहे है। कुछ मवेशी को मचान पर रखे है। पानी घटने का इंतजार कर रहे है। बाढ़ में इन क्षेत्रों में चापाकल डूब जाने से पेयजल की समस्या उत्पन्न हो चुकी है। हालांकि लोग मजबूरी में मवेशी को लेकर सुरक्षित स्थान पर लेकर पहुंचने लगे है।

शहरवासी धर्मशाला में लेने लगे शरण– साहिबगंज नगर परिषद के आधा दर्जन से अधिक वार्ड बाढ़ की चपेट में आ चुका है। शहर के भरतिया कॉलोनी, हबीबपुर, पाइप रोड, चानन, कबूतखोपी, दहला में बाढ़ का पानी आ चुका है। भरतिया कालोनी के 54 क्वाटर में पानी घुस गया है। नीचे के आवास के निचले तल्ले में पानी घुस जाने से लोग ई-रिक्शा (टोटो) पर सामान लादकर बड़ी धर्मशाला में शरण लेने लगे हैं। हबीबपुर में में पानी घुस चुका है, पुल और गली में पानी चढ़ जाने से लोग परेशान हैं। हबीबपुर से लेकर बिजली घाट पुल तक व मां बायसी स्थान के आसपास पानी हो जाने से स्कूली बच्चों की परेशानी बढ़ गयी है।

बोकारो में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, बाइक सवार युवकों को ट्रक ने पीछे से कुचला

बोकारो, एजेंसी। बोकारो में शनिवार को सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से जख्मी है। हादसा चास मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के चंदनक्यारी रोड स्थित पकोड़ी मोड़ के पास हुई। इधर, हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक मौके पर छोड़कर भाग निकला। मृतकों की पहचान चंदनक्यारी के बनगड़िया निवासी अजित हांसदा और अमित हांसदा के रूप में हुई है।

वहीं, घायल युवक सनीचर हेमब्रम का इलाज जारी है। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने चंदनकयारी-चास मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने ट्रक के शीशे तोड़ डाले।

जख्मी सनीचर हेमब्रम के दोस्त पंकज ने बताया कि हम सभी दो बाइक से विश्व आदिवासी दिवस का जुलूस देखकर लौट रहे थे। अजित, अमित और सनीचर एक ही बाइक पर सवार थे। जबकि मैं दूसरी बाइक पर बैठा था। जैसे ही पकोड़ी मोड़ के पास पहुंचे, तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से तीनों की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक के पहिए अजित और अमित के सिर के ऊपर से गुजर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर, मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और ट्रक को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत, जमशेदपुर में ट्रेन की आवाज नहीं सुनने से हुआ हादसा

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर में रक्षाबंधन के दिन एक हादसे ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। परसुडीह थाना क्षेत्र के गदड़ा रेलवे फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आने से 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला देवकी कलेज की मौत हो गई। मृतका सरजमदा की रहने वाली थीं। वह टाटा मोटर्स की स्थायी कर्मचारी रह चुकी थीं। करीब पांच साल पहले वे सेवानिवृत्त हुई थीं। बताया जा रहा है कि देवकी कलेज को कम सुनाई देता था। इसी कारण वे आने वाली ट्रेन की आवाज नहीं सुन सकीं। हादसे के समय आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें आवाज देकर सावधान करने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

रेलवे फाटक पार करते समय अचानक ट्रेन आ गई– स्थानीय निवासी उमेश कुमार सिंह के अनुसार, देवकी कलेज अपनी बेटी के घर जोजोबेड़ा में राखी मनाने जा रही थीं। रेलवे फाटक पार करते समय अचानक ट्रेन आ गई। वे उसकी चपेट में आ गईं। घटना इतनी तेज थी कि उन्हें बचाने का कोई मौका नहीं मिला। सूचना मिलते ही परसुडीह पुलिस तुरंत

मौके पर पहुंची। शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतका के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय लोग भी बेहद व्यथित हैं।

गदड़ा रेलवे फाटक के पास रहने वाले लोगों का कहना है कि इस इलाके में पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं। कई बार उन्होंने रेल प्रशासन और पुलिस से इस स्थान पर सुरक्षा उपाय की मांग की है। चेतावनी संकेत, साइरन या फ्लाई ओवर बनाने की मांग लोग कर रहे हैं।

झारखंड के पांच आरयूपीपी चुनाव आयोग की सूची से हटे, देश भर के 334 आरयूपीपी को किया गया डिलीट

रांची, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने झारखंड के पांच पंजीकृत गैर मान्यता राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटा दिया गया है। आयोग ने देश भर के ऐसे 334 आरयूपीपी को हटाया है। झारखंड के जिन राजनीतिक दलों को सूची से डिलीट किया गया है, उनमें मधुपुर, देवघर का भारत विकास मोर्चा, छतरपुर, पलामू की भारतीय जनमुक्ति पार्टी, हमीदगंज, पलामू का मानव मुक्ति मोर्चा, भवनाथपुर, गढ़वा का नौजवान संघर्ष मोर्चा और रांची की राष्ट्रीय मजदूर किसान प्रजातांत्रिक पार्टी शामिल हैं।

इस आदेश से प्रभावित दल आदेश के 30 दिनों के भीतर आयोग में अपील कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि राजनीतिक दलों के पंजीकरण के लिए दिशा निर्देशों में उल्लेख है कि यदि कोई दल लगातार 6 वर्षों तक चुनाव नहीं लड़ता है, तो उस

दल को पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाएगा। वर्तमान में निर्वाचन आयोग के पास 6 राष्ट्रीय दल, 67 राज्य दल और 2520 आरयूपीपी पंजीकृत हैं।

रक्षाबंधन पर जेल में भाइयों को राखी बांधने पहुंची बहनें

धनबाद, एजेंसी। रक्षाबंधन का पावन पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है। शनिवार को धनबाद मंडलकारा में भावुक दृश्य देखने को मिला। सुबह से ही सैकड़ों बहनें राखी और मिठाई लेकर जेल में बंद भाइयों के लिए पहुंचीं। सुबह करीब 8 बजे से ही मंडलकारा के बाहर बहनों की कतार लग गई थी। उनके हाथों में थाल सजे हुए थे। इनमें राखियां, चावल, रोली और मिठाई रखी हुई थी। कई बहनें रंग-बिरंगे परिधानों में सजी-धजी थीं। कुछ के चेहरे पर भाई से मिलने की बेचैनी साफ नजर आ रही थी।

जेल के बाहर का माहौल उल्लास और स्नेह से भरा था। बहनों के चेहरों पर अपने भाइयों से मिलने की खुशी झलक रही थी। लेकिन लंबे समय से जुदाई का दर्द भी उनके आंसुओं में दिखाई दे रहा था। सुरक्षा कारणों के चलते जेल प्रशासन ने प्रत्यक्ष मुलाकात की अनुमति नहीं दी। बहनों को केवल जेल के बाहर ही रुकने दिया गया। राखी और मिठाई जेलकर्मियों के माध्यम से कैदियों तक पहुंचाई गई। इसके लिए प्रशासन ने विशेष काउंटर बनवाए थे। बहनों ने अपने भाइयों के नाम के साथ राखी और मिठाई वहां सौंपी।

बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, फांसी लगाकर की आत्महत्या, मां की 1 माह पहले हो चुकी है मौत

तालझारी (साहिबगंज), एजेंसी। राजमहल थाना क्षेत्र के शोभापुर गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इसकी सूचना मिलते ही राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर पुलिस बल के साथ रविवार की सुबह 11 बजे घटना स्थल पहुंचे और घर के ठाठ (छप्पर) से फंदे पर लटक रहे युवक का शव बरामद किया है।

मृतक की पहचान तालझारी थाना क्षेत्र के मसकलैया निवासी सुबोल मंडल का 35 वर्षीय पुत्र कार्तिक मंडल के रूप में की गई है। वे अपने ससुराल की ओर से दी गई जमीन पर फूस का घर बनाकर रहते थे।

मृतक के ससुर जगदीश मंडल ने बताया कि उनकी पुत्री का विवाह करीब 13 वर्ष पूर्व मसकलैया निवासी सुबोल मंडल के बड़े बेटे साधु मंडल से हुआ था। इनसे एक बेटी भी है। इसके बाद साधु मंडल के छोटे भाई कार्तिक मंडल के साथ उनकी बेटी का प्रेम संबंध होने पर उनसे विवाह कर ली थी।

तब से बेटी और दामाद कार्तिक मंडल को शोभापुर गांव में अपने घर से कुछ दूरी पर घर बनाने के लिए कुछ जमीन दे दिया था। इस जमीन पर फूस का घर बनाकर बेटी-दामाद रहती थी। एक माह पूर्व बेटी की मृत्यु धान रोपनी करने के दौरान बेहोश होकर गिरने से हो गई थी।

तब से दामाद कार्तिक मंडल अपनी पत्नी (मेरी पुत्री) की शोक में व्याकुल रहने लगे थे। उन्हें काफी समझाया करता था। इसके बाद भी वे डिप्रेशन में रहने लगा। शनिवार की शाम वे मसकलैया से शोभापुर आकर उनसे मुलाकात किया और अपने बेटे आदित्य कुमार मंडल को रखकर शोभापुर वाले अपने घर में सोने चला गया था।

रविवार की सुबह करीब 10 बजे जब उनका साला प्रमोद मंडल घर पर गए तो कार्तिक मंडल को एक साड़ी से घर के ठाठ पर फांसी में लटका हुआ देखकर हतप्रभ रह गया। इसकी जानकारी उन्होंने स्वजनों को देकर पुलिस प्रशासन को भी घटना से अवगत कराया है। थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने बताया कि शव फांसी से लटका हुआ मिला है।

प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का प्रतीत होता है। शनिवार की रात में ही फांसी लगाकर मरने की आशंका लोगों ने जताया है। बावजूद इसके हर पहलुओं की जांच पुलिस करेगी। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम कराकर उनके स्वजनों को सौंप दी गई है।

मृतक कार्तिक मंडल के 11 वर्षीय एक पुत्री स्वास्तिक कुमारी व छह वर्षीय एक पुत्र आदित्य कुमार है। उनकी पत्नी की मृत्यु एक माह पूर्व हो गई है।

लॉन बॉल वर्ल्ड कप कैंप में राज्य के 9 खिलाड़ी चयनित

रांची, एजेंसी। बॉलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने लॉन बॉल वर्ल्ड कप और हांगकांग क्लासिक 2025 के लिए भारतीय कैंप में चयनित 16 खिलाड़ियों की सूची जारी की है। इनमें 9 खिलाड़ी झारखंड से हैं। कैंप के लिए चयनित खिलाड़ियों में 8 महिला व 8 पुरुष शामिल हैं। महिला टीम में 4 खिलाड़ी झारखंड से और पुरुष टीम में पांच खिलाड़ी झारखंड के हैं। महिला खिलाड़ियों में लवली चौबे, रूपा रानी तिर्की, कविता कुमारी और रेशमा चौहान टीम का हिस्सा है।

वहीं, पुरुष वर्ग में दिनेश कुमार, सुनील बहादुर, आलोक लकड़ा, अभिषेक लकड़ा और प्रिंस कुमार टीम में शामिल हैं। इन सभी खिलाड़ियों को 27 अगस्त को डीपीएस आरके पुरम, नई दिल्ली में रिपोर्ट करना है। इसके बाद चयन

प्रक्रिया 28 से 31 अगस्त तक चलेगी, और संभवतः 31 अगस्त शाम तक भारतीय टीम की घोषणा कर दी जाएगी। झारखंड बॉलिंग टीम के सचिव व कोच मधुकांत पाठक ने कहा, यह झारखंड के लिए गर्व की बात है कि भारतीय कैंप में आधे से ज्यादा खिलाड़ी हमारे राज्य के हैं।

उन्नति का जरिया अनानास

जलवायु -

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते हैं, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

प्रवर्धन

सकरः पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशतः किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउनः फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिपः तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प : फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

पौध रोपण

रोपण का समय- रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अतः पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

पौध उपचार

पौधों को लगाने से पहले सकर या अन्य सामग्री का उपचार आवश्यक है, जिससे उनमें हृदय सड़न का रोग न लगने पाए.पौधे को एक सप्ताह तक छाया में सुखा कर उसकी सूखी हुई पत्तियां अलग कर दें. इसके बाद बोर्डो मिश्रण (1:1:10) के घोल में निचला भाग डुबाकर खेत में लगाएं.

रोपण

अनानास के पौधे लगाने की विधि अन्यफलों से भिन्न होती है. अनन्नास के पौधे तीन विधियों से लगाए जाते है:-

1. **एक पंक्ति विधि**
2. **दोहरी पंक्ति विधि**
3. **तीन पंक्ति विधि**

एक पंक्ति विधि में पौधे कतारों से निश्चित दूरी पर लगाए जाते हैं. दोहरी पंक्ति विधि में जो कि अधिकांश अपनाई जाती है, पौधों की दो पंक्तियां 0.5 मी. के अंतर से लगाना चाहिए. इन दो पंक्तियों के मध्य 0.75 मी.स्थान छोड़कर पुनः 0.50 मी. के अंतर से पंक्तियां लगाते हैं. पौधों की दूरी 40 सेमी. रखें. इस विधि से 35000 से 40000 पौधे प्रति हैक्टर लगाये जाते हैं. इस विधि से पौधे लगाने से उद्यानिकी क्रियाओं में सरलता होती है. तीन पंक्ति विधि से पौधा लगाना उचित नहीं होता है. पौधे लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह जुताई करके भुरभुरा बना लेना चाहिए. खेत तैयार करते समय गोबर की खाद या कम्पोस्ट भी मिला देना चाहिए। खेत में आवश्यक अंतर पर कतारें बना लें और इन कतारों में अनानास के पौध लगाएं. पौधे 10 सेमी. गहरे लगाने चाहिए. पौधे, जिन्हें सकर कहते हैं, लगाते समय यह ध्यान रखें कि उनका हृदय का भाग भूमि में न दबने पाए. पौधे जुलाई से सिंतबर तक वर्षाऋतु में तथा फरवरी-मार्च में बसंत ऋतु में लगाए जा सकते हैं.

निदाई, गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अनानास की जड़ें भूमि की ऊपरी पर्त से पोषण लेती हैं. अतः अनन्नास के उद्यान में घास या खरपतवार का रहना अत्यंत ही हानिकारक होता है. पौधों की वृद्धि नहीं हो पाती. निंदाई के साथ पौधों में मिट्टी चढ़ाना आवश्यक होता है जिससे कि पौधे फलभार ग्रहण कर सकें. वर्ष में दो से तीन बार मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. मिट्टी चढ़ाते समय यह ध्यान रखें कि मिट्टी में हृदय का भाग न दबने पाए. प्रत्येक सिंचाई के पश्चात हल्की गुड़ाई आवश्यक है.

तुड़ाई व उपज

फल पर स्थित आंखें जब पीली पड़ने लगती हैं, तब फल तोड़ने योग्य हो जाता है परंतु यदि फल दूर भेजना हो तो आँखें पीली पड़ने के पहले पूरी परिपक्व अवस्था में ही फल तोड़ लेना ठीक रहता है. इसके अतिरिक्त आंखों के पास की कोणीय बनावट कुछ कम हो जाती है और आंख के पास सहपत्र का जो भाग आंख के पास निकलता है, वह सूख जाता है। अनानास के फल में स्टार्च नहीं होता, इसलिये इसे तोड़ने के बाद मिठास में कोई विशेष वद्धि नहीं होती है. फूल आने के लगभग 3.5 से 4 माह में फल पकने लगता है. औसत उपज 40 से 60 टन प्रति हेक्टर होती है.

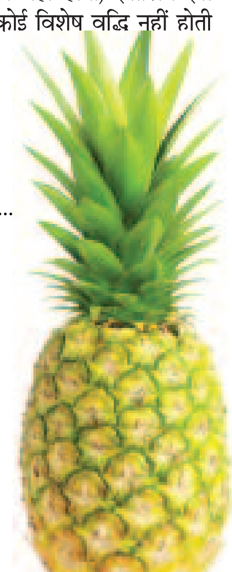

सिंचाई

ग्रीष्म ऋतु में 7 से 10 दिन के अंतर में और शीत ऋतु में 15 से 20 दिन के अंतर से भूमि की किस्म के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए. जड़ें गहरी न होने के कारण नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है.

करें तिल की बुवाई

भूमि

दोमट, हल्की चिकनी और कछारी भूमि तिल की खेती हेतु उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

अच्छी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी वाला समतल खरपतवार रहित खेत तैयार करना चाहिए। सिंचाई हेतु नालियों एवं क्यारियों की व्यवस्था करना चााहिए.

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

5-6 कि.ग्रा./हे. की दर से उन्नत किस्म के प्रमाणित कार्बेन्डाजिम (2 ग्राम/कि.ग्रा.) फफूंदनाशी से बीजोपचार कर बोयें।

उन्नत किस्में - जेटी21, टीकेजी22, टीकेजी 55, जेटीएस 8, टीपीजी 306.

बोने का समय- फरवरी का तृतीय व चतुर्थ सप्ताह.

बोने का तरीका- कतारों से कतारों की दूरी 12 इंच तथा पौधों से पौधों की दूरी 4 इंच रखने से उपयुक्त पौध संख्या 3 लाख/हे. प्राप्त होती है। बीजों के समान वितरण हेतु बीज, गोबर खाद (2:20) मिलाकर बोनी करें।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की 10 टन खाद/हेक्टेयर तथा रासायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा., 130 किलो यूरिया, 250 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 33 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश/हेक्टेयर की दर से डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा बोनी के समय तथा शेष आधी नत्रजन की मात्रा बोने के 3-4 सप्ताह बाद डालें।

निराई- गुड़ाई

बोने के 15-20 दिन बाद निराई गुड़ाई करें और उसी समय अनावश्यक घने पौधे को निकाल दें। रासायनिक नियंत्रण हेतु एलाक्लोर दानेदार 20 कि.ग्रा/हेक्टेयर की दर से रेत के साथ मिलाकर अंकुरण पूर्व खेत में बिखेरें।

सिंचाई

फूल आने तथा फलियाँ बनते समय तिल की फसल में सिंचाई अत्यंत आवश्यक है।

पौध संरक्षण -तिल पत्ती मोड़क एवं फली बेधक कीट- कीट पौधों की पत्ती अवस्था में पत्तियों को गूंथकर पुष्प अवस्था में फूलों के अंदर

घुसकर भीतरी भाग खाकर एवं फली में छेदकर बीज खाकर फसल को नुकसान पहुंचाती है।

तिल के रोग

तना एवं जड़ सड़न रोग में जमीन की सतह से तना काला हो जाता है जिस पर हाथ फेरने पर खुरदुरापन महसूस होता है। मुरझाये पौधे को उखाड़ने पर पौधे की जड़ें काले रंग की दिखाई देती हैं जो कि कम शक्ति लगाने पर आसानी से कांच के समान टूट जाती है। सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा रोग में पौधे की निचली पत्तियों पर कोणीय भूरे धब्बे जिनका किनारा गहरे रंग का होता है। रोग की तीव्रता में पत्तियां झड़ जाती हैं। जबकि अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग के कारण पत्तियों पर धब्बे सघन छल्लों में बनते हैं। पर्णताभ रोग में फूल के सभी रोग हरे पत्तियों में बदल जाते हैं। अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती हैं। जिसके वजन से शाखायें झुक जाती हैं। यह बीमारी सफेद मक्खी द्वारा फैलता है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

- उपयुक्त फसल चक्र अपनायें।
- कीट/रोग से ग्रसित पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- इन्डोसल्फान (2 मिली/ली.) या डाइमिथियेट (1 मिली./ली.) कीटनाशक के साथ डायथेन एम-45 (2.5 ग्रा./ली.) मिलाकर बोने के 30 और 60 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

कटाई और गहाई

पत्तियां पीली होकर झड़ने लगें तथा फलियाँ हरी हों तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे सीधा रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें.

उपज-ग्रीष्मकालीन सिंचित तिल की उपज 800-900 किग्रा./हेक्टेयर होती है।

शेयर बाजार में छाई रहेगी मायूसी या बदलेंगे हालात

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार बीते 6 हफ्ते से लगातार नकारात्मक प्रदर्शन कर रहा है। शुक्रवार को निफ्टी और सेंसेक्स में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी। इसके अलावा बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.3 प्रतिशत और स्मॉल कैप इंडेक्स में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। आइए जानतें वो 5 कारण जो शेयर बाजार को इस हफ्ते प्रभावित करेंगे।

● 5 वजहें जो तय करेंगे रफ्तार

1- **ट्रंप टैरिफ में अब आगे क्या-** डोनाल्ड ट्रंप इंडियन इंपोर्ट्स पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। नया टैरिफ 27 अगस्त से प्रभावी होगा। डोनाल्ड ट्रंप का आक्रमक रवैय्या और अनिश्चितता भारती शेयर बाजारों के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि मौजूदा टैरिफ अगर लागू होगा है तो भारत जीडीपी का ग्रोथ रेट एक प्रतिशत गिर सकता है। घरेलू बाजार की टैरिफ को लेकर होने वाली बातचीत पर नजर रहेगी। भारत का टैरिफ बांग्लादेश, वियतनाम और चीन से भी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका और चीन किसी भी डील 12 अगस्त से पहले सिक्योर हो सकता है।

2- **भारत और अमेरिका का महंगाई डाटा-** इस हफ्ते भारत और अमेरिका के महंगाई आंकड़े सामने आएंगे। भारत और अमेरिका की सीपीआई डाटा 12 अगस्त को आएगा। वहीं, डब्ल्यूपीआई का डाटा 14 अगस्त को सामने आएगा।
जुलाई के महीने में महंगाई 2.10 प्रतिसत से घटकर 1.8 प्रतिशत हो सकता है।

3- **ट्रंप और पुतिन की मीटिंग-** अमेरिकी प्रेसीडेंट और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के बीच 15 अगस्त को मीटिंग होने जा रही है। पूरी दुनिया पर इस मीटिंग की नजर रहेगी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के दौरान यह मीटिंग काफी महत्वपूर्ण हो जाती है।

4- **एफपीआई का क्या रहेगा रुख-** जुलाई से एफपीआई लगातार घरेलू बाजार में बिक्री कर रहे हैं। जुलाई के महीने में कैश सेगमेंट में एफपीआई ने 47,666.68 करोड़ रुपये के शेयरों को बेचा था। अगस्त के महीने में भी बिक्री का सिलसिला जारी है। एफपीआई ने इस महीने 14,018.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। 8 अगस्त को एफपीआई ने 1932.81 करोड़ रुपये के शेयर कैश सेगमेंट में खरीदे थे। लेकिन यह काफी शुरुआती दौर है। ऐसे में एफपीआई का घरेलू मार्केट को लेकर क्या ट्रेंड दिखता है इस पर भी बाजार की रफ्तार निर्भर करेगा।

5- **कंपनियों के तिमाही नतीजे-** बीएसई के डाटा के अनुसार इस हफ्ते 2000 से अधिक कंपनियों के तिमाही नतीजे जारी होंगे। इसमें बजाज कंज्यूमर केयर, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, आईओएसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, बीपीसीएल और हिंदुस्तान कॉपर के तिमाही नतीजों पर फोकस रहेगा।

आईसीआईसीआई बैंक ने न्यूनतम बचत राशि बढ़ाकर 50000 की

● आम ग्राहकों के लिए इसका क्या मतलब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने अपने बचत खातों के लिए न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि (एमएबी) में बड़ा इजाफा कर इसे 50,000 रुपये कर दिया है। यह बदलाव 1 अगस्त, 2025 से प्रभावी है। यह बदलाव एक अगस्त के बाद खोले गए सभी नए खातों पर लागू होगा। घरेलू बैंकों के बीच न्यूनतम राशि की आवश्यकता की बात करें तो यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

नए बदलावों के तहत महानगरीय और शहरी शाखाओं के ग्राहकों को न्यूनतम औसत शेष राशि 50,000 रुपये रखनी होगी। यह वर्तमान के 10,000 रुपये से काफी ज्यादा है। अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, न्यूनतम शेष राशि 5,000 रुपये से बढ़कर 25,000 रुपये हो जाएगी। ग्रामीण इलाके के खातों के लिए न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि 2,500 रुपये से बढ़कर 10,000 रुपये हो जाएगी। आईसीआईसीआई बैंक आवश्यक एमएबी में कमी का 6% या 500 रुपये, जो भी कम हो जुर्माने के रूप में वसूलेगा। उदाहरण के लिए, मेट्रो शाखा में 10,000 रुपये की कमी होने पर सामान्यत: 600 रुपये का जुर्माना लगता था, लेकिन नए नियमों के तहत यह शुल्क 500 रुपये तक सीमित कर दिया गया है। आईसीआईसीआई बैंक ने अपने नकद लेनदेन के नियमों में भी बदलाव किया है। ग्राहकों को प्रति माह तीन मुफ्त नकद जमा लेनदेन की सुविधा मिलेगी। इनकी कुल राशि 1 लाख रुपये तक होगी। इससे ज्यादा जमा पर 150 रुपये प्रति लेनदेन या 1,000 रुपये जमा पर 3.50 रुपये (जो भी ज्यादा हो) का शुल्क लगेगा।

भारत और ओमान मुक्त व्यापार समझौते पर सहमत

औपचारिक एलान 2-3 माह में हो सकता है; जानिए सबकुछ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) का एलान जल्द ही होने की संभावना है। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि समझौते के दस्तावेज का अरबी में अनुवाद ओमान में हो रहा है। इसके बाद दोनों देशों के

मंत्रिमंडल इसे मंजूरी देंगे। अधिकारी ने आगे बताया, दोनों देशों ने सैद्धांतिक तौर से समझौते का एलान और उस पर दस्तखत साथ मिलकर करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि दो-तीन महीने से भी कम वक्त में यह सब हो जाएगा।
समझौते पर 2023 में शुरू हुई बातचीत इस समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस पर औपचारिक बातचीत नवंबर 2023 में शुरू हुई थी। सीईपीए के तहत दोनों देश अधिकांश व्यापारिक वस्तुओं पर सीमा शुल्क घटाएंगे या समाप्त करेंगे, सेवाओं के व्यापार के नियम आसान बनाएंगे और निवेश को बढ़ावा देंगे खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओमान भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले - 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के साथ

भारत का रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को यह बात कही। रक्षा उत्पादन में पिछले वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, 'वित्त वर्ष 2024-25 में वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।'

● **रक्षा उत्पादन में 2019-20 की तुलना में 90 फीसदी की आश्चर्यजनक वृद्धि-** रक्षा मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'ये संख्या पिछले वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में 18 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि और 2019-20 के बाद से 90 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्शाती है। तब यह आंकड़ा 79,071 करोड़ रुपये था।'

● **रक्षा मंत्री बोले- सभी हितधारकों के सामुहिक प्रयासों से मिली सफलता-** केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में इस उपलब्धि को हासिल करने में रक्षा उत्पादन विभाग और सभी हितधारकों, जिनमें रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक इकाइयां और निजी उद्योग शामिल हैं। उन्होंने सामूहिक प्रयासों की सराहना की, और इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

रक्षा उपकरणों के निर्माण में भारत बना आत्मनिर्भर

हाल ही में आई स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत अब रक्षा उपकरणों में आत्मनिर्भर बनने के साथ ही उन्हें निर्यात करने वाला एक उभरता वैश्विक खिलाड़ी बन चुका है। 2014 से 2024 तक भारत के रक्षा आयात में 34% की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जबकि रक्षा निर्यात में 700% से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत हथियारों के मामले में बहुत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

कंगाली में आटा गीला

भारतीय उड़ानों के लिए हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से पाकिस्तान को झटका

मुंबई। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को भारत को आंखें दिखाना महंगा पड़ रहा है। कर्ज के बोझ तले दबा पाकिस्तान एक गलती की वजह से अपना बड़ा नुकसान करा चुका है। भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाकर पाकिस्तान को दो महीने में 1240 करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से यातायात में 20 प्रतिशत कमी आई।
22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। इसके जवाब में पाकिस्तान ने सभी भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगा दिया था। मगर यह प्रतिबंध पाकिस्तान पर ही उल्टा पड़ गया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक 24 अप्रैल से 30 जून के बीच हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण (पीएए) का हवाई उड़ान शुल्क राजस्व गिर गया। वहीं रोज लगभग 100-150 भारतीय विमान प्रभावित हुए। जबकि पाकिस्तान के पारगमन हवाई यातायात में लगभग 20 प्रतिशत की कमी आई। पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय ने नुकसान की बात स्वीकार की, लेकिन यह कहकर उसे उचित ठहराने की कोशिश की कि संप्रभुता और राष्ट्रीय रक्षा आर्थिक पहलुओं से ऊपर हैं।

40 से गिरकर 3 पर आ गया था यह शेयर

● अब घाटे में आ गई है पावर कंपनी

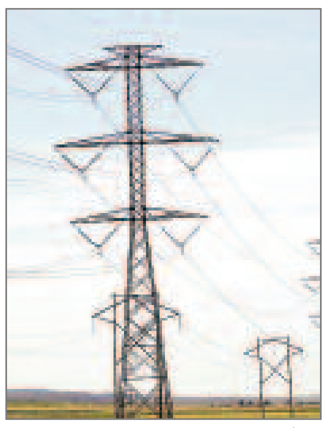

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉल-कैप स्टॉक रतनइंडिया पावर के शेयर लगातार चर्चा में हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 2% तक गिर गए थे। शेयरों में इन दिनों लगातार गिरावट देखी जा रही है। पिछले पांच कारोबारी दिन में यह शेयर 10% और महीनेभर में 30% तक टूट चुका है। वहीं, इस साल अब तक कंपनी के शेयर 14% तक और सालभर में 25% टूट गए। हालांकि, पांच साल में इसने तगड़ा रिटर्न भी दिया है। इस दौरान इसकी कीमत 3 रुपये से 230% तक चढ़ा गया। अगस्त, 2020 में कंपनी के शेयर की कीमत 3 रुपये ही थी। 30 अक्टूबर 2009 को कंपनी के शेयर की कीमत 40 रुपये पहुंच गई थी।

● **घाटे में आई है कंपनी-** बता दें कि हाल ही में रतनइंडिया पावर ने अपने जून तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। जून तिमाही में कंपनी को घाटा हुआ है। रतनइंडिया पावर ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 13.11 करोड़ का समेकित शुद्ध घाटा दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 93 करोड़ का लाभ और पिछली मार्च तिमाही में 125.94 करोड़ का लाभ हुआ था। इसका परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में साल-दर-साल 11.8% घटकर 821.96 करोड़ रह गया, जो वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में 931.83 करोड़ था। क्रमिक आधार पर भी, राजस्व वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के 936.25 करोड़ से कम रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले 196 करोड़ की कमाई दर्ज की।

● **कंपनी का कारोबार-** रतनइंडिया पावर लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादन कंपनी में से एक है, जिसकी महाराष्ट्र, भारत में अमरावती और नासिक (प्रत्येक स्थान पर 1,350 मेगावाट) में 2,700 मेगावाट थर्मल पावर प्लांट की स्थापित क्षमता है।

इंजीनियर दोस्तों ने शुरू किया ऐसा काम कि बरसने लगा पैसा

हर महीने लाखों रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंजीनियरिंग कर तो पैसा ही पैसा होगा... यह लाइन आपने काफी लोगों से सुनी होगी। अगर जिंदगी में पैसा ही कमाना है तो जरूरी नहीं कि इंजीनियरिंग ही की जाए। कर्नाटक के उडुपी के रहने वाले केल्विन अरानहा और फरीश अनफल इसके उदाहरण हैं। इन दोनों दोस्तों ने इंजीनियरिंग छोड़ आधुनिक खेती शुरू की। आज ये दोनों दोस्तों आधुनिक खेती के जरिए हर महीने लाखों रुपये कमा रहे हैं। केल्विन और फरीश ने मैंगलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग (स्ङ्घढ्ढञ्ज) में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने खेती के क्षेत्र में काम करने का फैसला किया। केल्विन बेंगलुरु में नौकरी करने चले गए। फरीश ने एक छोटा सा सीफूड का बिजनेस शुरू किया। फरीश बताते हैं कि उन्हें किसानों की समस्याओं के बारे में पता चला। उन्होंने कहा, मैंने देखा कि जलवायु परिवर्तन की वजह से किसानों को खेती में मुनाफा कमाने में बहुत दिक्कतें आ रही हैं। मैंने और किसानों से बात की और मुझे पता चला कि वे कितनी मुश्किलों का सामना करते हैं।

● **कैसे आया बिजनेस का आइडिया-** केल्विन और फरीश हर हफ्ते इस समस्या पर बात करते थे। दोनों दोस्त मिलकर खेती के क्षेत्र को बदलना चाहते थे। इसलिए उन्होंने खेती को मुनाफे वाला बनाने का फैसला किया।

● **कैसे करते हैं आधुनिक खेती-** दोनों दोस्त फसल उगाने के लिए हाइड्रोपोनिक्स तकनीक का इस्तेमाल करता है। इससे फसलों की क्वालिटी और पैदावार बढ़ती है। कर्नाटक के ब्रह्मवरा में उन्होंने एक वर्टिकल

फार्म बनाया है। इसमें वे ढ्ढ की मदद से लेट्यूस, तुलसी, केल और पार्सले जैसी फसलें उगा रहे हैं। ये फसलें आमतौर पर भारत में नहीं उगाई जाती हैं। पहले किसान बारिश, मिट्टी की उपजाऊ शक्ति और महंगे कीटनाशकों पर निर्भर रहते थे। कई बार खराब मौसम और मिट्टी की वजह से उनकी फसलें बर्बाद हो जाती थीं। इससे वे कर्ज में डूब जाते थे। लेकिन, केल्विन और फरीश ने खेती के तरीकों को बदलने का सोचा।

लागत में आई कमी

पारंपरिक खेती के मुकाबले ढ्ढ से चलने वाली हाइड्रोपोनिक खेती में 95% पानी बचता है। क्योंकि, इसमें पानी को दोबारा इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही, लागत भी 50% तक कम हो जाती है। फरीश का कहना है कि इससे खेती ज्यादा टिकाऊ और मुनाफे वाली बन सकती है। फसलों को नियंत्रित वातावरण में कृत्रिम रोशनी में उगाया जा सकता है। इससे बाहर के मौसम पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

कैसे करता है AI काम

सॉफ्टवेयर से मिली जानकारी के आधार पर सिस्टम सिंचाई करता है। यह तापमान, नमी, श्व॥, पानी की कंडक्टिविटी, हवा का तापमान और दूसरी चीजों को भी कंट्रोल करता है। इससे पौधों को बढ़ने के लिए सही वातावरण मिलता है।

मोदी सरकार ने दोगुना कर दिया यह भत्ता

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए जानना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कुछ कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। दरअसल, सरकार ने दिव्यांगता की कुछ निश्चित श्रेणियों में आने वाले केंद्रीय कर्मचारियों को सामान्य दर से दोगुना ट्रांसपोर्ट या परिवहन भत्ता देने का ऐलान किया है। वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को इस निर्देश का सख्ती से पालन करने को कहा है।
वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन में स्पष्ट किया गया है कि 15 सितंबर 2022 को जारी पूर्व निर्देशों में संशोधन करते हुए दिव्यांगता की श्रेणियों की एक नई सूची जारी की गई है जिसके तहत कर्मचारियों को दोगुना परिवहन भत्ता दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अंतर्गत यह ऐलान किया है।

यह सुविधा क्यों आवश्यक है

दिव्यांग कर्मचारियों को दैनिक जीवन में कई अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यात्रा करना, खासकर कामकाजी जीवन में, एक बड़ी चुनौती है। सरकार द्वारा परिवहन भत्ते को दोगुना करना इन कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत है, जिससे न केवल उन्हें आर्थिक सहायता मिलेगी बल्कि सामाजिक समावेशन को भी बढ़ावा मिलेगा।

कई तरह के पीड़ित दिव्यांग शामिल

इस भत्ते का फायदा कई कैटेगरी के पीड़ित दिव्यांगों को मिलेगा। उदाहरण के लिए ठीक हो चुके कुष्ठ रोग, मस्तिष्क पक्षाघात, बौनापन, एसिड अटैक के शिकार और रीढ़ की हड्डी की विकृतियां या चोट से विकलांगता शामिल है। अंधापन, बहरापन और मानसिक रोग जैसी दिक्कतें भी शामिल हैं।
बता दें कि सातवें वेतन आयोग के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों को कई तरह के भत्ते दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए महंगाई भत्ता (डीए) है, जो मुद्रास्फीति को देखते हुए हर छह महीने में संशोधित किया जाता है। एचआरए (हाउस रेंट अलाउंस) - शहर की श्रेणी के अनुसार अलग-अलग दरों पर उपलब्ध है। यात्रा भत्ता, बच्चों की शिक्षा भत्ता, छात्रावास सब्सिडी, आदि भी मिलता है। इसके अलावा दिव्यांग कर्मचारियों के लिए पहले से ही कुछ अतिरिक्त भत्ते थे लेकिन अब दोगुने परिवहन भत्ते का अपडेटेड निर्देश आया है।

तेल-मांस ने बढ़ाया थाली का बोझ

जुलाई में वैश्विक खाद्य कीमतें 1.6% बढ़ीं; भारत में भी असर के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। जुलाई 2025 में आम लोगों की थाली एक बार फिर महंगी हो गई। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक में

1.6% की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण वनस्पति तेल और मांस की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी रही। राहत की बात यह रही कि अनाज, डेयरी और चीनी की कीमतों में गिरावट से बढ़ते दामों का दबाव कुछ हद तक कम हुआ, लेकिन रिपोर्ट चेतावनी देती है कि वैश्विक खाद्य बाजार अब भी अस्थिर है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इसका सीधा असर भारत की उपभोक्ता महंगाई (सीपीआई) और घरेलू थाली की लागत पर पड़ सकता है। एफएओ के अनुसार जुलाई में वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक 7.1% उछलकर 166.8 अंकों पर पहुंच गया।

डेयरी में मामूली गिरावट पनीर बना अपवाद

डेयरी मूल्य सूचकांक 0.1% घटकर 155.3 अंक पर आ गया। ओशिनिया में बढ़ते उत्पादन और भरे स्टॉक के कारण मक्खन और मिल्क पाउडर सस्ते हुए। हालांकि, एशिया और पश्चिम एशिया में मजबूत मांग और यूरोप से कम निर्यात की वजह से पनीर के दाम बढ़े। चीनी मूल्य सूचकांक 0.2% घटकर 103.3 अंक पर रहा। भारत, थाईलैंड और ब्राजील में बेहतर मौसम के कारण उत्पादन बढ़ने की उम्मीदें कीमतों को नीचे ला रही हैं।

रोहित–कोहली की क्या वनडे क्रिकेट से होगी विदाई? गौतम गंभीर का ये बयान वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के दो दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली लंबे समय से मैदान से दूर हैं. दोनों ने टी20 क्रिकेट और टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है. अब केवल वनडे मुकाबलों में ही रोको की जोड़ी मैदान में नजर आएगी. जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. चर्चा है की रोहित और

विराट इसी साल अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम इंडिया का हिस्सा हो सकते हैं. कोहली और रोहित के लिए ये आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है. ऐसे में इन दोनों खिलाड़ियों के फेयरबेल को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है. लेकिन इसी बीच फेयरवेल को लेकर कुछ समय पहले दिया गया कोच गौतम गंभीर का एक बयान भी काफी वायरल हो रहा है...

क्या बोले थे कोच गंभीर

5 मैचों की टेस्ट सीरीज पर इंग्लैंड रवाना होने से पहले टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर ने एक इंटरव्यू में खिलाड़ियों के फेयरवेल को लेकर बड़ा बयान दिया था. जब गंभीर से पूछा गया था कि अब आप कोच हैं तो क्या आप ये तय करेंगे की आपके सामने कोहली और रोहित को अच्छा फेयरवेल मिले?

इसपर गंभीर ने कहा था कि कोई भी खिलाड़ी वो चाहे जिस खेल का हो वो फेयरवेल के लिए नहीं खेलता है. हमें खिलाड़ियों के योगदान को याद रखना चाहिए की उन्होंने देश के लिए क्या किया है. फेयरवेल मिले या नहीं ये कोई मायने नहीं रखता है. गंभीर ने कहा कि देश से जो प्यार मिलता है उससे बड़ा फेयरवेल क्या हो सकता है.बता दें कि इंग्लैंड सीरीज पर रवाना होने से पहले ही विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. चर्चा है की भारतीय टीम को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे मुकाबले भी खेलने हैं, जिसमें रोहित शर्मा खेलते नजर आ सकते हैं.

इसी बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने रोहित शर्मा से जुड़ा एक ऐसा पोस्टर जारी किया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैन्स के बीच हलचल मचा दी. यह पोस्टर आईसीसी ने 2026 में भारत-इंग्लैंड के बीच इंग्लिश जमीन पर होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज को लेकर जारी किया था. इस पोस्टर में रोहित शर्मा के अलावा हैरी ब्रूक की भी तस्वीर थी. रोहित जहां भारत की वनडे टीम के कप्तान हैं, वहीं ब्रूक व्हाइट बॉल क्रिकेट में इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं.

Asian Surfing

भारत के रमेश बुधियाल का जलवा, एशियाई सर्फिंग में कांस्य पदक जीता

चेन्नई, एजेंसी। बुधियाल शनिवार को इस प्रतियोगिता के पदक दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। उन्होंने फाइनल में 12.60 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता।भारत के रमेश बुधियाल ने शुक्रवार को यहां एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में पुरुषों के ओपन वर्ग में कांस्य पदक जीता। इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

बुधियाल शनिवार को इस प्रतियोगिता के पदक दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। उन्होंने फाइनल में 12.60 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता। कोरिया के कनोआ हीजे ने 15.17 अंक के साथ स्वर्ण पदक, जबकि इंडोनेशिया के पजार एरियाना ने 14.57 अंक के साथ रजत पदक जीता।

ओपन महिला वर्ग में जापान की अनरी मात्सुनो (14.90 अंक) ने हमवतन सुमोमो सातो (13.70) की कड़ी चुनौती से पार पाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। थाईलैंड की इसाबेल हिग्स ने 11.76 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। कोरिया के कनोआ हीजे ने 14.33 अंक प्राप्त कर अंडर-18 बालक वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। चीन के शिदोंग वू (13.10) और शुलोउ जियांग (8) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। लड़कियों के अंडर-18 वर्ग में चीन की सिकी यांग ने 14.50 अंकों के साथ स्वर्ण पदक और उनकी हम वतन शुहान जिन (10.33) ने रजत पदक जीता।

क्रिकेट जगत को लगा बड़ा झटका, इस खिलाड़ी ने अचानक लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर थैमसिन न्यूटन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने यह फैसला ऐसे समय में लिया जब वह पिछले कुछ सालों से टीम से बाहर चल रही थीं। थैमसिन का करियर भले ही आंकड़ों में बड़ा न दिखे लेकिन उनके कुछ प्रदर्शन यादगार रहे, खासकर उनके शुरुआती दिनों में।

थैमसिन न्यूटन ने 2015 में न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा। वह एक मध्यम गति की तेज गेंदबाज और निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाज के रूप में जानी जाती थीं। उन्होंने अपने दूसरे ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार गेंदबाजी की और श्रीलंका के खिलाफ 9 रन देकर 3 विकेट झटके। इससे उन्होंने चयनकर्ताओं और दर्शकों को प्रभावित किया।

वनडे और टी20 में मिला सीमित मौका

थैमसिन को न्यूजीलैंड के लिए खेलने का बहुत ज्यादा मौका नहीं मिला। उन्होंने अब तक 10 वनडे और 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वनडे में उन्होंने 11 विकेट लिए और 57 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 31 रन देकर 5 विकेट था जो उन्होंने नवंबर 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ हासिल किया था। वहीं टी20 में उन्होंने 9 विकेट लिए लेकिन लगातार टीम में जगह नहीं बना पाई। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2021 में हुआ था और उसके बाद से वह टीम से बाहर थीं।

टी20 और वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा रहीं

थैमसिन 2016 टी20 वर्ल्ड कप और 2017 वनडे वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थीं। हालांकि इन टूर्नामेंट्स में उन्हें ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन टीम का हिस्सा बनना उनके करियर का अहम हिस्सा रहा।

घरेलू क्रिकेट में शानदार सफर

थैमसिन न्यूटन का घरेलू क्रिकेट करियर काफी सफल रहा। उन्होंने 2011-12 में वेलिंगटन की ओर से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद 2014 से 2018 तक वह कैंटरबरी के लिए खेलती रहीं। बाद में वह दोबारा वेलिंगटन लौटीं और 2023-24 सीजन में वह सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स से जुड़ गईं। थैमसिन ने न्यूजीलैंड की घरेलू वनडे प्रतियोगिता हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड का फाइनल चार बार खेला। वह इस टूर्नामेंट को दो बार जीतने में सफल रहीं – एक बार कैंटरबरी और एक बार वेलिंगटन के साथ।

बीबीएल और रग्बी में भी दिखाया दम

थैमसिन सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रहीं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मशहूर महिला टी20 लीग बीबीएल में पर्थ स्कॉर्चर्स की ओर से भी खेला। इसके अलावा वह न्यूजीलैंड की घरेलू महिला रग्बी यूनियन प्रतियोगिता फराह पामर कप में भी हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने वेलिंगटन प्राइड और हॉक्स बे टुई की ओर से रग्बी खेला और खुद को एक मल्टी-स्पोर्ट एथलीट के रूप में साबित किया। थैमसिन न्यूटन ने 30 वर्ष की उम्र में क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया। वह पिछले चार वर्षों से अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर थीं और इस बीच घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहीं। संन्यास की घोषणा के साथ उन्होंने अपने सभी फॉर्मेट्स अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से दूरी बना ली है।

यश दयाल पर गिरी गाज, यौन शोषण के आरोपों के बीच इस टी20 लीग में खेलने पर लगा बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। गंभीर कानूनी मामले में फंसे तेज गेंदबाज यश दयाल पर अब एक नाबालिग के यौन उत्पीड़न के आरोप के बाद गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है। जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ ने उन्हें आगामी यूपी टी20 लीग में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है।

बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम का हिस्सा था जिसने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का खिताब जीता था। उन्होंने पूरे सीजन में दमदार प्रदर्शन करते हुए 15 मैचों में 13 विकेट लिए। हालांकि इन आरोपों से पेशेवर क्रिकेट में उनके भविष्य पर संदेह के बादल छा गए हैं। दयाल को लीग से बाहर करने का यूपीसीए का फैसला आरोपों की गंभीरता और खेल की अखंडता को बनाए रखने के लिए बोर्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गौर हो कि यश दयाल ने अपने घरेलू करियर की शुरुआत उत्तर प्रदेश के साथ की थी। उन्होंने 2018 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करने से पहले आयु वर्ग के क्रिकेट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने लिस्ट ए में उत्तर प्रदेश के लिए 2018-19 विजय हजारे ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने 9 ओवर में 41 रन देकर 1 विकेट लिया। उन्होंने 2018-19 रणजी ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ डेब्यू करते हु उन्होंने 2 विकेट लिए। अपने पहले रणजी सीजन में यश ने 8 मैचों में 2.87 की इकॉनमी रेट से 30 विकेट लिए और उस सीजन में उत्तर प्रदेश के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे। इसके बाद टी20 में डेब्यू करते हुए 2018-19 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र के खिलाफ शुरूआत की जहां उन्होंने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 17 रन देकर 1 विकेट लिया।

करुण नायर को 8 साल के बाद मिला था दूसरा चांस, अब खेल खत्म!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज करुण नायर की 8 साल के बाद टीम इंडिया में वापसी हुई थी. उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में मौका दिया गया था, लेकिन वो इस मौके पर भुना नहीं पाए. इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में वो केवल एक फिफ्टी ही ठोक पाए, जबकि भारतीय टीम को उनके काफी उम्मीदे थी. उनके प्रदर्शन को लेकर टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान बहुत निराश हैं. इसके साथ ही उन्होंने करुण नायर के टेस्ट करियर को लेकर बड़ी बात कह दी है.

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करुण नायर को अच्छी शुरुआत मिलती रही, लेकिन वो इसका फायदा नहीं उठा पाए. इस दौरान करुण केवल एक अर्धशतक ही ठोक पाए. उन्हें कई मौके मिले. क्रिकेट ने उन्हें निश्चित रूप से दूसरा मौका दिया, लेकिन वे इसका उस तरह से फायदा नहीं उठा पाए, जैसा उन्हें उठाना चाहिए था. इरफान ने आगे कहा कि खासकर लॉर्ड्स टेस्ट में, उनके पास भारत को मैच जिताने का अच्छा मौका था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए. करुण नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले 2017 में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट सीरीज में हिस्सा लिया था.उन्हें 8 साल के बाद फिर मौका मिला. इस भारतीय खिलाड़ी ने इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों में 25.62 के औसत से केवल 205 रन ही बना पाए. उन्होंने सिर्फ एक ही अर्धशतक लगाया और नायर का बेस्ट स्कोर 57 रन था. करुण नायर ने टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक भी लगाया हुआ है. उन्होंने ये कारनामा इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में 2016 में किया था.

इंग्लैंड में पूरी तरह से फेल रहे करुण नायर

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करुण नायर को चार मैचों में खेलने का मौका मिला था. उन्होंने पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाए थे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने सिर्फ 20 रन ही बनाए थे. दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज को फिर से मौका दिया गया. इस मैच की पहली पारी में उन्होंने 31 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में नायर 26 रन ही बना पाए. तीसरे टेस्ट मैच में करुण नायर ने पहली पारी में 40 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में वो सिर्फ 14 रन ही बना पाए. चौथे टेस्ट मैच में उन्हें मौका नहीं मिला था. हालांकि पांचवें टेस्ट मैच में नायर की टीम इंडिया में वापसी हुई और उन्होंने पहली पारी में 57 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में वो 17 रन बनाकर वापस पवेलियन लौट गए.

एशिया कप तक फिट नहीं हुए सूर्यकुमार यादव तो किसे मिलेगी कप्तानी?

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट एशिया कप 2025 का आयोजन 9 से 28 सितंबर के बीच यूएई में होगा. भारत का पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ है. इसके बाद 14 तारीख को भारत बनाम पाकिस्तान मैच होगा, ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच भारत 19 को ओमान के खिलाफ खेलेगी. टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की कुछ समय पहले सर्जरी हुई थी, वह अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं. लेकिन अगर वह टूर्नामेंट तक पूरी तरह फिट नहीं हुए तो भारतीय टीम की कमान कौन संभालेगा?

सूर्यकुमार यादव का जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई थी, जिसके बाद वह फिटनेस पाने के लिए मेहनत कर रहे हैं. अभी वह बेंगलुरु में रिहैब कर रहे हैं. उम्मीद जताई जा रही है कि सूर्या एशिया कप से पहले फिटनेस हासिल कर लेंगे, लेकिन अभी तक आधिकारिक इस पर कुछ नहीं कहा गया है. अगर वह एशिया कप तक फिट नहीं हुए तो उनकी जगह कप्तानी करने के लिए ये 3 खिलाड़ी मजबूत दावेदार हैं.

सूर्यकुमार यादव की जगह कौन हो सकता है एशिया कप में भारत का कप्तान?

शुभमन गिलः इंग्लैंड दौरे पर पहली बार टेस्ट की कमान संभालते हुए शुभमन गिल ने शानदार प्रदर्शन किया, सभी की वाहवाही लूटी. उन्होंने बल्ले से भी कई रिकॉर्ड बनाए, इसके बाद माना जा रहा है कि वह एशिया कप स्क्वॉड में शामिल होंगे. सूर्या जब कप्तान बने थे तब गिल को उपकप्तान बनाया गया था, ऐसे में अगर सूर्या नहीं खेले तो एशिया कप में भारत की कप्तानी शुभमन गिल संभाल सकते हैं.

कोई नहीं है टक्कर में!

शुभमन गिल के नाम होगा 2025, चौंका देंगे आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5 मैचों की सीरीज में 754 रन ठोक दिए। ऐसे में गिल के पास 2025 को अपने नाम का सुनहरा अवसर है। वह 2025 में अब तक 1,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। गिल का इंग्लैंड दौरा यादगार रहा। 2021 में ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 91 रनों की पारी के बाद से एशिया के बाहर 40 से ज्यादा का स्कोर नहीं बनाने वाले गिल ने इस सीरीज आलोचकों को करारा जवाब दिया। उन्होंने भारत की टेस्ट टीम में चौथे नंबर पर अपनी जगह पक्की कर ली,जिस पर कभी सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाज खेला करते थे।

गिल का इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन– टेस्ट सीरीज के दौरान गिल ने 75.40 की औसत से चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन भी शामिल है। वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जो 2-2 से ड्रॉ रही। इस साल गिल ने 14 मैचों और 20 पारियों में 64.94 की औसत से 1,234 रन बनाए हैं। इसमें छह शतक शामिल हैं। वह इस साल सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने दो अर्द्धशतक भी लगाए हैं।

दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी– गिल इस साल दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट 23 मैचों और 27 पारियों में 47.77 की औसत से 1,290 रन बनाकर शीर्ष पर हैं। इसमें तीन शतक और आठ अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 165 है। भारतीय बल्लेबाजों में गिल के आसपास भी कोई नहीं है। केएल राहुल 14 मैचों और 19 पारियों में 46.31 की औसत से 741 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। इसमें दो शतक और दो अर्द्धशतक हैं। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने 13 मैचों और 17 पारियों में 67.22 की औसत से 605 रन बनाए हैं।

डेविड वार्नर ने लंदन स्पिरिट को दिलाई पहली जीत, खेली 70 रनों पर नाबाद पारी

लंदन, एजेंसी। लंदन स्पिरिट ने शनिवार (9 अगस्त) को वेल्श फायर पर 8 रनों की कड़ी जीत के साथ मेन्स हंड्रेड में अपना खाता खोलने में कामयाबी हासिल की। टूर्नामेंट के पहले मैच में अपने खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के बाद, लंदन स्पिरिट ने अनुभवी डेविड वार्नर की अगुवाई में शानदार वापसी की, जिन्होंने 70 रनों पर नाबाद रहते हुए बल्लेबाजी की। वेल्श फायर के सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो भी रन चेज में नाबाद रहे और अपनी टीम द्वारा बनाए गए आधे से ज्यादा रन बनाए, लेकिन फिर भी वे लड़खड़ा गए।

वार्नर पारी की शुरुआत में ही अच्छी फॉर्म में आ गए थे, लेकिन दूसरे छोर पर केन विलियमसन लड़खड़ा गए। आखिरकार उन्होंने मैदान पर छक्का जड़कर अपनी लय तोड़ी, लेकिन जोश हल के आउट होने के कारण ज़्यादा देर तक टिक नहीं पाए। पारी को आधे समय में एक बड़ा झटका तब लगा जब वार्नर और जेमी स्मिथ ने मिलकर क्रिस ग्रीन को तीन छक्के जड़कर आउट कर दिया। यह सिलसिला जारी रहा और स्मिथ ने हल की गेंद पर एक और बड़ा छक्का जड़ा, उसके बाद एक चौका जड़ा, और फिर गेंदबाज ने इस पारी का अंत कर दिया।

इसके बाद एश्टन टर्नर की बारी आई और उन्होंने भी एक उपयोगी छक्का जड़ा। दूसरे छोर पर वार्नर ने रन बनाना जारी रखा और स्कोर को 160 के पार पहुंचाया, जिसका मतलब था कि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के लिए एक ठोस शुरुआत जरूरी थी। हालांकि स्टीव स्मिथ और बेयरस्टो ने अपने पहले मैच में पहले विकेट के लिए 62 रन जोड़े थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शुरुआत में ही स्कूप करने की कोशिश में थर्ड मैन पर आउट हो गए। दुर्भाग्य से वेल्श फायर के लिए, विकेटों के गिरने के साथ ही रन गति की शुरुआत हो गई। लगातार दूसरे मैच में मध्यक्रम लड़खड़ा गया, जब लंदन स्पिरिट ने ल्यूक वेल्स, टॉम एबेल और टॉम कोहलर-कैडमोर जैसे बल्लेबाजों को आउट कर वेल्श फायर का स्कोर 39/5 कर दिया। कुछ ही गेंदों में स्कोर 55/6 हो गया, क्योंकि मैच का नतीजा साफ दिख रहा था। हालांकि, यह अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी कि वे केवल 8 रनों से हार गए, क्योंकि एक छोर पर उनके साथी खिलाड़ी कम पड़ रहे थे, और बेयरस्टो ने ग्रीन के साथ मिलकर टीम की उम्मीदों को कायम रखा। इंग्लैंड के इस सलामी बल्लेबाज ने लगातार अंतराल पर बाउंड्री लगाते हुए जीत की दौड़ जारी रखी। जब 10 गेंदों पर 31 रनों की ज़रूरत थी, बेयरस्टो ने जेमी ओवरटन की लगातार दो गेंदों पर छक्के जड़कर लक्ष्य को 8 गेंदों पर 19 रनों तक सीमित कर दिया। हालांकि, ओवरटन ने जोरदार वापसी की और ल्यूक वुड ने उनका साथ देते हुए सुनिश्चित किया कि बाकी गेंदों पर केवल एक छक्का लगे और वेल्श फायर सीजन के अपने पहले अंक हासिल करने से वंचित रह जाए।

रिश्ते में उम्र के अंतर पर बोलीं फातिमा सना शेख, कहा-

लड़का 10 साल बड़ा हो तो भी...

फातिमा सना शेख अपनी दो फिल्मों आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों को लेकर चर्चा में रही हैं। फिल्म आप जैसा कोई में उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो अपने से बड़े उम्र के व्यक्ति के साथ प्यार में पड़ जाती हैं। हाल ही में उन्होंने कहा है कि किसी भी रिश्ते में उम्र कोई दिक्कत नहीं है।

संवेदनाएं एक जैसी होनी चाहिए उम्र के मामले पर बोलते हुए फातिमा सना शेख ने बातचीत में कहा अगर रिश्ते में दोनों की भावनाएं मेल खाती हैं तो इससे फर्क नहीं पड़ता है कि कोई लड़का मुझसे 10 साल बड़ा है। भावनाओं का स्तर एक जैसा होना चाहिए। उम्र में फर्क वाली चीज तो सदियों से होती आ रही है।

फातिमा ने अपने आपको बताया खुशकिस्मत

फातिमा सना शेख ने रहना है तेरे दिल में के अभिनेता आर माधवन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताया मैं बहुत खुशकिस्मत हूं। मैं लोगों से बताती हूं कि मुझे एक ऐसा किरदार मिला जिसमें मैं उनके साथ रोमांस कर रही हूं। हालांकि फिल्म में बहुत सही तरीके से रोमांस कर रही थी क्योंकि यह अच्छी तरह लिखा गया था। हमारी केमिस्ट्री एकदम प्राकृतिक थी।

निर्देशक जैसे हैं आर माधवन

फातिमा सना शेख ने आर माधवन के बारे में आगे कहा वह एक काबिल अभिनेता हैं। वह अपने आप में एक निर्देशक भी हैं। जब भी मैंने फिल्म में कुछ न करने का कारण दिया, तो उन्होंने मेरा उत्साह बढ़ाया। फिल्म में दोनों के अभिनय की सराहना की गई है। फिल्म आप जैसा कोई 11 जुलाई को ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसमें फातिमा सना शेख और आर माधवन ने मुख्य किरदार निभाया है।

विवेक सोनी ने इसका निर्देशन किया है। फिल्म में एक अध्यापक के बारे में दिखाया गया है जो बड़ी उम्र के होते हैं और उनकी शादी नहीं होती। इसी तरह से एक लड़की की भी शादी नहीं होती है। दोनों किसी तरह मिलते हैं और दोनों में प्यार हो जाता है। फिल्म दोनों के रिश्ते के आस-पास घूमती है।

बारिश वाले गानों का हमारी फिल्मों में हमेशा एक खास मुकाम रहा है: जान्हवी कपूर

बॉलीवुड में बारिश सिर्फ मौसम नहीं, एक एहसास रहा है – कभी मोहब्बत का जरिया, कभी यादों का पुल, तो कभी दिल को छू जाने वाला सिनेमा। ब्लैक एंड व्हाइट दौर की रोमांटिक क्लासिक्स से लेकर आज के हाई-डेफिनिशन विज़ुअल्स तक, बारिश ने हर दौर की कहानियों में एक खास जगह बनाई है।

जान्हवी कपूर के लिए उनकी आने वाली फिल्म परम सुंदरी का नया गाना भीगी साड़ी उस सपने जैसा है जिसे हर बॉलीवुड दीवाना जीना चाहता है। उन्होंने कहा- बारिश वाले गानों का हमारी फिल्मों में हमेशा एक खास मुकाम रहा है। इनमें एक जादू है, जो कभी पुराना नहीं होता। मैंने बचपन से ऐसी कई आइकॉनिक सीन देखे हैं जो बारिश में फिल्माए गए, और अब भीगी साड़ी के ज़रिए उस विरासत का हिस्सा बनना किसी सपने जैसा है। जब हमने यह गाना शूट किया, तो ऐसा लगा जैसे किसी पुराने बॉलीवुड ख्वाब में जी रही हूं – बारिश में नाचना, हर बीट को महसूस करना, हर इमोशन को जीना वो एक जादुई अनुभव था। भीगी साड़ी में दिल को छू लेने वाली धुन, खूबसूरत लोकेशंस और जान्हवी की दिलकश अदाओं का संगम है। साड़ी में उनकी रोमांटिक मौजूदगी पुराने दौर की याद दिलाती है – लेकिन एक नए, मॉडर्न अंदाज़ के साथ। परम सुंदरी जहाँ ग्लैमर, जज़्बात और दिल से जुड़ी कहानियों का वादा कर रही है, वहीं भीगी साड़ी पहले से ही फैंस के दिलों को भिगो रही है – बॉलीवुड के आइकॉनिक रेन सॉन्ग्स की लिस्ट में अपनी जगह पक्की करती हुई। अगर आप चाहें, मैं इसके लिए एक इंस्टाग्राम कैप्शन या मीडिया हेडलाइन भी बना सकती हूँ!

आने वाले दिनों में एआइ फिल्म स्टार बनाएगा

बॉलीवुड में इन दिनों चर्चित फिल्म रांझणा का क्लाइमैक्स एआइ से बदलकर तमिल में री-रिलीज किए जाने को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। फिल्म के निर्देशक आनंद एल राय और खुद एक्टर धनुष इस पर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। अब जाने-माने फिल्म लेखक-गीतकार जावेद अख्तर ने खासचीत के दौरान इस मुद्दे पर अपनी राय रखी।

जावेद अख्तर का कहना है, जब आप (निर्माता) किसी को फिल्म बनाने को देते हैं तो उसे आर्टिस्टिक आजादी देनी चाहिए। उसमें नहीं दखल देना चाहिए। वो बात सही नहीं है। वहीं, एआइ के प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा, एआइ तो आएगा, अभी तो वह अपने पालने में हैं, बाद में क्या होगा, वो मैं सोच भी नहीं सकता। ऐसी-ऐसी बातें होंगी जो हम सोच भी नहीं सकते। एआइ से स्टार बनेंगे, जिनका कॉपीराइट कंपनीज के पास होगा और अगर वो स्टार हिट हो गए, तो वो कंपनी दूसरे फिल्ममेकर्स को उन किरदारों को लोन पर देगी, जो असल में हैं ही नहीं।

सुरक्षा के लिए कानून बदलेंगे

जावेद अख्तर का कहना है, जैसे जैसे तकनीक बदलती है, उनसे सुरक्षा के लिए कानून भी बदलता है, तो एआइ से सुरक्षा के लिए भी कानून बदलेंगे। पहले शब्दों और म्यूजिक का कॉपीराइट होता था, अब आवाज का भी होगा क्योंकि अब आवाज भी चुराई जा सकती है। आप लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी, किशोर कुमार की आवाज में आज गाना बना सकते हैं, तो आवाज, चेहरे सबका कॉपीराइट आएगा, कानून बदलेगा। अब रांझणा के साथ जो हुआ है, आगे डायरेक्टर कॉन्ट्रैक्ट साइन करते वक्त क्लॉज रखेगा कि आप ये चीजें नहीं कर सकते।

एआइ की गर्लफ्रेंड उसे छोड़कर नहीं गई

हालांकि, लेखन के मामले में जावेद अख्तर एआइ को इंसानी दिमाग से काफी पीछे मानते हैं। वह कहते हैं, क्रिएटिव मामलों में एआइ अभी हमसे मुकाबला नहीं कर सकता है। उस मामले में हमारी बराबरी करने में उसे बहुत वक्त लगेगा, क्योंकि एआइ की मां बचपन में नहीं गुजरी थीं। एआइ की गर्लफ्रेंड ने उसे छोड़कर किसी और से शादी नहीं कर ली थी, उसके किसी अमीर रिश्तेदार ने उसे बेइज्जत नहीं किया था, तो अभी एआइ का डेटा बहुत मामूली है। हमारे डेटा से मुकाबला करने में उसे बहुत वक्त लगेगा।

तेहरान के इश्क़ बुखार में एलनाज़ नोरौज़ी ने लगा दी हॉटनेस की आग

स्टाइल का तड़का और पावर का झटका!

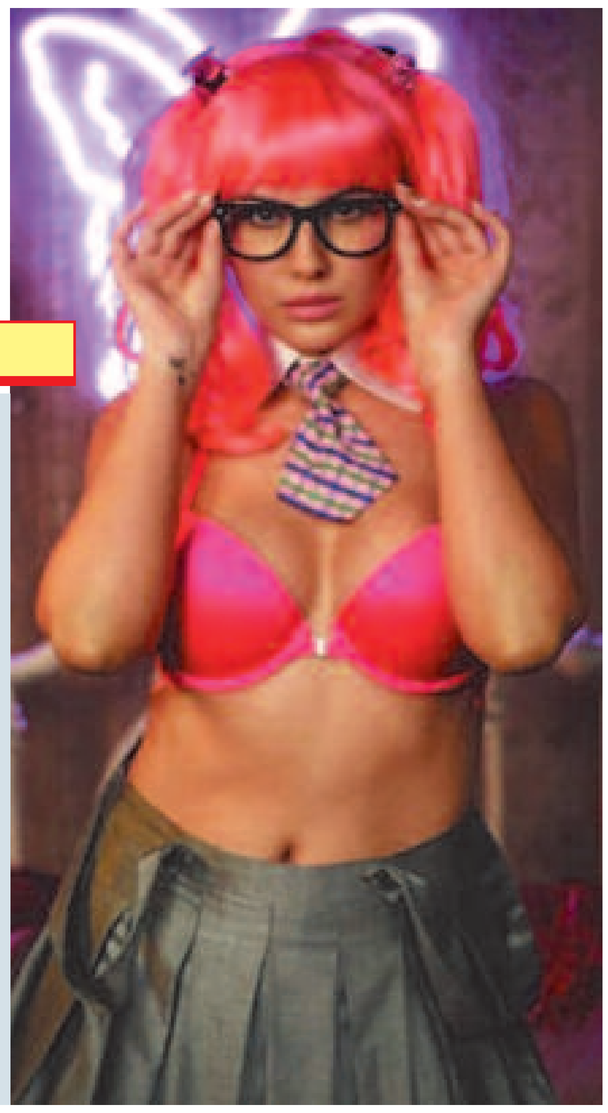

एलनाज़ नोरौज़ी सिर्फ तेहरान में नज़र नहीं आ रहीं – वो सीधा कहर बनकर टूटी हैं! इस थ्रिलर में उनका ताज़ा तड़कता-भड़कता गाना 'इश्क़ बुखार' है एक धुआँधार एलान – कि अब एलनाज़ न सिर्फ तैयार हैं, बल्कि सीधे बी-टाउन की लाइमलाइट में घुस चुकी हैं! पहले भी अपने काम से दिल जीत चुकी एलनाज़, अब इस गाने में दिखा रही हैं वो तेवर जो हर फ्रेम को बना देता है फुल-ऑन ब्लॉकबस्टर। पहली झलक से ही एलनाज़ लगती हैं एकदम हस्ल, कौन है ये? टाइप गॉर्जियस – बोल्ड भी, एलिगेंट भी, और ग्लैमरस तो पूछो मत! उनके एक्सप्रेशन्स हों या किलर मूव्स – हर बीट पर एलनाज़ का कब्ज़ा है।स्टाइलिंग एकदम ऑन पॉइंट, एनर्जी हाई-वोल्टेज, और स्क्रीन तो जैसे जल उठी हो!

हमेशा फिल्मों की फैन रहीं हूं

एलनाज़ कहती हैं मैं हमेशा Maddock की फिल्मों की फैन रही हूं, और अब खुद उसका हिस्सा बनना एकदम सपना सा लग रहा है! लेकिन ये गाना सिर्फ कोई और डांस नंबर नहीं है – ये उनके फिल्म प्रमोशन पावर की भी झलक है –और इंडस्ट्री को अब वो नज़र आ रही हैं।

'इश्क़ बुखार' – है हाई एनर्जी, बोल्ड और पूरी तरह से विजुअल ट्रीट! और जब एलनाज़ ने पहली बार ये ट्रैक सुना, तो तुरंत दिल दे बैठीं – ऐसा मेरे साथ जल्दी नहीं होता, वो मानती हैं। लुक, कोरियोग्राफी, वाइब – सब कुछ है डिजाइन किया गया एक नई, दमदार एलनाज़ को दुनिया के सामने लाने के लिए। एक्टिंग और वर्सेटिलिटी तो उनकी पहचान रही है, पर अब जो कॉन्फिडेंस और स्टाइल में तड़का आ गया है – वो सीधा उन्हें खींच ला रहा है बॉलीवुड के बिग लीग में! शायद तेहरान सिर्फ शुरुआत है – एलनाज़ नोरौज़ी का सुपरस्टार बनने का टाइम अब शुरू हुआ है!

तमन्ना भाटिया का खुलासा

बोल्ड और इंटिमेट सीन की शूटिंग के पीछे के बताए राज

तमन्ना भाटिया अपनी अकादारी और अपने बेहतरीन डांस के लिए प्रसिद्ध हैं। तमन्ना ने फिल्मों में बोल्ड सीन न करने के नियम को तोड़ते हुए इंटिमेट सीन के बारे में खुलकर बात की। साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपने अभिनय से सभी के दिलों में खास जगह बना चुकीं तमन्ना भाटिया ने पहले अपनी किसी भी फिल्म में लिप-लॉक सीन नहीं करती थीं। लेकिन फिल्म लस्ट स्टोरीज में उन्होंने इस नियम को तोड़ा और कई बोल्ड सीन देकर चर्चा में आईं। हाल ही में फिल्मों में अपने इंटिमेट सीन को लेकर तमन्ना ने खुलकर बातचीत की। एक खबर के अनुसार, तमन्ना ने बताया कि पहले वह फिल्मों में बोल्ड और इंटिमेट सीन करने से बचती थीं, क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे वह खुद को सीमित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि बोल्ड सीन पूरी तरह से बनावटी होते हैं और हर सीन को बहुत सावधानी से कोरियोग्राफ किया जाता है। सेट पर एक इंटिमेसी कोच मौजूद रहता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सब कुछ ठीक हो। पुरुष सह-कलाकारों को विशेष निर्देश दिए जाते हैं कि वे कुछ खास जगहों को न छुएं। तमन्ना ने यह भी कहा कि ऐसे सीन को बहुत सटीकता से फिल्माया जाता है, जैसे कोई डांस कोरियोग्राफी हो। सेट पर मौजूद हर व्यक्ति नियमों का पालन करता है और हर कदम को पहले से तय किया जाता है।

तमन्ना का करियर और वर्कफ्रंट

तमन्ना भाटिया ने मुख्य रूप से तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने 2005 में हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अभिनय की शुरुआत की। तमन्ना जल्द ही एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ हॉरर फिल्म वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में नजर आएंगी। यह फिल्म 15 मई, 2026 को रिलीज हो सकती है।

कोलंबिया में शुरू हुई विक्रांत मैसी की 'व्हाइट' की शूटिंग

एक्टर विक्रांत मैसी ने अपनी नई फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग कोलंबिया (साउथ अमेरिका) में शुरू कर दी है। इस फिल्म में वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह उस शख्स की कहानी है, जिसकी आस्था ने 52 साल पुराने सिविल कॉन्फ्लिक्ट के माहौल में बदलाव लाया। इस संघर्ष में कई बार शांति की कोशिशें नाकाम रहीं, हजारों लोग मारे गए और लोगों की उम्मीद टूट गई थी। फिल्म व्हाइट का डायरेक्शन मोंटू बस्सी कर रहे हैं। वहीं इसको सिद्धार्थ आनंद, महावीर जैन और पीसक्राफ्ट पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसमें कोलंबिया और दुनिया भर के कलाकार और टेक्निकल टीम शामिल हैं। विक्रांत मैसी ने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2007 में टीवी सीरियल 'धूम मचाओ धूम' से की थी। इसके बाद उन्होंने 'धरम वीर' (2008), 'बालिका वधू' (2009-2010) और 'कुबूल है' (2013) जैसे शो में काम किया। फिल्मों में उन्होंने 2013 में 'लूटेरा' से शुरुआत की और 'दिल धड़कने दो' (2015) में सपोर्टिंग रोल किया। उनका बड़ा ब्रेक 2017 में फिल्म 'अ डेथ इन द गंज' से मिला। इसके बाद विक्रांत ने 'मिर्जापुर' (2018), 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' (2018-2019) और 'क्रिमिनल जस्टिस' (2019) जैसी वेब सीरीज में काम किया। उन्होंने 'छपाक' (2020), 'हसीन दिलरुबा' (2021) और 'लव हॉस्टल' (2022) में भी एक्टिंग की। 2023 में आई बायोग्राफिकल फिल्म '12वी फेल' सुपरहिट रही और इसके लिए उन्हें हाल ही में बेस्ट एक्टर के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला।

सबको छोड़कर जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहती हैं श्रुति हासन

इन दिनों श्रुति हासन साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कूली' को लेकर चर्चा हैं। इसी फिल्म की चर्चा के बीच श्रुति ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जिंदगी की नई शुरुआत करने की बात की है। इस पर यूजर्स ने एक्ट्रेस को कई तरह की सलाह दे डाली है। साउथ के चर्चित एक्टर कमल हासन की बेटी और एक्ट्रेस श्रुति हासन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें लिखा है, 'कई बार मन होता है कि सबको छोड़कर एक नई जिंदगी शुरू करूं। लेकिन फिर मन में आवाज उठती है, खुद पर भरोसा रखो और डटे रहो।' इस पोस्ट को एक वीडियो के साथ श्रुति हासन ने शेयर किया, जिसमें वह फाइट सीन्स कर रही हैं। श्रुति के फैन पेज ने पहले यह वीडियो साझा किया था,जिसे श्रुति ने भी पोस्ट किया है। इस पोस्ट पर यूजर्स ने, श्रुति के फैंस ने भी रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस को जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है।

यूजर्स ने क्या दी श्रुति हासन को सलाह

यूजर्स ने श्रुति हासन की पोस्ट पर ही कमेंट करके उन्हें जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है। एक यूजर लिखता है, 'श्रुति, आपके मन में उठ रहे दर्द का अहसास हमें भी है। लेकिन उस आवाज पर भरोसा करें, जो आपको जिंदगी में डटे रहने के लिए कहती है। यही प्यार है, इससे ही आप हीलिंग की तरफ आगे बढ़ेंगी। आप जितना दिख रही हैं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं। आपकी खूबसूरत, जिंदगी की कहानी के कई चैप्टर अभी लिखे जाने बाकी हैं। इसलिए इंतजार ना करें। आज ही आगे बढ़ने का एक कदम उठाएं।'

एक अन्य यूजर ने श्रुति को पहाड़ों पर जाकर वक्त गुजारने की सलाह दी। वह कहता है, 'नई शुरुआत करें। पहाड़ों पर जाएं। धीरे-धीरे जिएं, भीड़-भाड़ से दूर रहें। अपनी सोल (आत्मा) के लिए आप इससे ज्यादा खूबसूरत काम कुछ नहीं कर सकते हैं।' कुछ यूजर्स ने श्रुति के जैसा ही महसूस करने की बात भी कही है।

साभार एजेंसी